दैनिक

लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-9 | अंक-184 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, शुक्रवार 25 जुलाई 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में औद्योगिक इकाइयों के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा-

उद्योगों में काम करने वाले युवाओं को मिलेंगे 5 हजार

भोपाल। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अगले महीने 10 अगस्त को भोपाल आएंगे। राजनाथ सिंह रेल के अत्याधुनिक कोच निर्माण इकाई का शिलान्यास करेंगे। इस रेल कोच फैक्ट्री में वंदे भारत एक्सप्रेस और मेट्रो जैसी ट्रेनों के कोच बनाए जाएंगे। सीएम डॉ मोहन यादव ने भोपाल के अचारपुरा में 6 नई औद्योगिक इकाइयों के भूमिपूजन के बाद मीडिया से चर्चा में यह जानकारी दी। सीएम ने कहा- प्रदेश में रोजगार परक उद्योगों में काम करने वाले युवाओं को राज्य शासन की ओर से 5000 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार देने का काम प्राथमिक मानती है हर युवा को काम मिले, ऐसा राज्य शासन का मंतव्य है। हमारे उद्योग कारखाने एक तरह के मंदिर हैं। यह मंदिर का स्वरूप हैं जो लोगों के कष्ट मिटाते हैं। मध्य प्रदेश में उद्योगों का जाल लगातार फैलाया जा रहा है। मध्य प्रदेश के युवाओं को पलायन की जरूरत नहीं है। हमारा राज्य समृद्ध होगा।

लाड़ली बहनों को मिलेंगे 1500 रुपए

सीएम ने कहा- बहनों को भाई दूज से 1500 रुपए की राशि लाडली बहना योजना के तहत दी जाएगी। सीएम ने कहा दीपावली और भाई दूज पर यह बहनों को उपहार होगा। सीएम ने कहा- लाडली बहनों को भी उद्योगों में कार्य करने पर प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया गया है। बहनों को 6000 की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह एक तरह का स्थाई प्रबंध होगा। जहां घर में बैठे आगे चलकर लाडली बहनों को 3000 मासिक तक प्राप्त होंगे जो परिवार के संचालन के लिए मददगार होंगे। इसी तरह जो बहनें घर से बाहर आकर उद्योगों में कार्य करती हैं उन्हें भी प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोपाल में अत्याधुनिक सी.टी. स्कैन एवं एम.आर.आई. सेवाओं का करेंगे लोकार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार प्रदेशवासियों को आधुनिक, सुलभ और सर्वसमावेशी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। चिकित्सा शिक्षा एवं जनस्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक तकनीक से सुसज्जित कर सर्वसुलभ और अधिक सक्षम बनाने की दिशा में सरकार सतत कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल में अत्याधुनिक तकनीकी से युक्त सी.टी. स्कैन मशीन (80 रो डिटेक्टर एक्वारिंग 128 स्लाइस) तथा एम.आर.आई. मशीन (1.5 टेसला) का 25 जुलाई को लोकार्पण करेंगे। उल्लेखनीय है कि यह सुविधा प्रदेश के समस्त शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में सर्वप्रथम भोपाल में प्रारंभ की गई है।

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट

सुप्रीम कोर्ट की हाईकोर्ट के फैसले पर रोक

3 दिन पहले 12 आरोपी बरी हुए; सुप्रीम कोर्ट बोला- फिलहाल दोबारा जेल भेजना जरूरी नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर गुरुवार को रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने 21 जुलाई को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। महाराष्ट्र सरकार ने इस फैसले के खिलाफ 23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा, बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर रोक से आरोपियों की जेल से रिहाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। ट्रेन ब्लास्ट केस में 13 लोग आरोपी थे। 12 सभी रिहा हो गए हैं। एक आरोपी की मौत हो गई है।

19 साल पहले सीरियल ब्लास्ट में 189 लोग मारे गए थे

11 जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सब अर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसेंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे। घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 21 जुलाई को महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट की विशेष अदालत का फैसले खारिज कर दिया था। निचली अदालत ने बम विस्फोट की साजिश रचने और उसे अंजाम देने के लिए 5 आरोपियों को मौत की सजा और 7 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

रेणुकास्वामी मर्डर, सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट को दोबारा फटकारा, आरोपी एक्टर दर्शन को जमानत देने पर कहा-

अदालत ने पावर का गलत इस्तेमाल किया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कर्नाटक हाईकोर्ट को कन्नड़ एक्टर दर्शन थुगुदीपा को जमानत देने के फैसले पर दूसरी बार फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा- हाईकोर्ट ने रेणुकास्वामी मर्डर केस में ज्यूडिशियल पावर का गलत इस्तेमाल किया है।इससे पहले 17 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से एक्टर दर्शन को मिली जमानत पर सवाल उठाए थे।

इस दौरान कहा था कि लगता है हाईकोर्ट ने अपने विवेक का सही इस्तेमाल नहीं किया। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने एक्टर की जमानत रद्द करने का फैसला सुरक्षित रखा है। दरअसल, एक्टर दर्शन को रेणुकास्वामी मर्डर केस में 13 दिसंबर 2024 को हाईकोर्ट से जमानत मिली थी, जिसके बाद वो जेल से रिहा हुए थे। इसी के खिलाफ कर्नाटक सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को मार्च में सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने गुरुवार को कहा- वे हाईकोर्ट वाली गलती नहीं करेंगे। उन्होंने मुख्य आरोपी पवित्रा गौड़ा के वकील से कहा- हम दोषसिद्धि या बरी करने का कोई फैसला नहीं देंगे।

भारत-ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटिश पीएम स्टार्मर की मौजूदगी में साइन हुए; 99 प्रतिशत भारतीय सामान ब्रिटेन में टैक्स फ्री

लंदन. भारत और ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हो गया है। पीएम मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की मौजूदगी में गुरुवार को लंदन में एग्रीमेंट पर दस्तखत हुए। इसे लेकर दोनों देशों के बीच 3 साल से बातचीत चल रही थी। समझौते के बाद नेताओं ने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान पीएम मोदी ने समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए खुशी जताई। इस दौरान उन्होंने भारत- इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का भी जिक्र किया। मोदी ने कहा कि यूके में रहने वाले भारतीय मूल के लोग हमारे संबंधों में एक लिविंग ब्रिज का काम करते हैं। मोदी ने स्टार्मर को भारत आने का न्योता दिया।

ब्रेक्जिट के बाद ब्रिटेन का यह सबसे बड़ा व्यापार समझौता

यूरोपियन यूनियन से अलग होने (ब्रेक्जिट) के बाद ब्रिटेन का यह सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इस समझौते से दोनों देशों के बीच ट्रेड में 34 बिलियन डॉलर की वृद्धि होने का अनुमान है। इससे पहले ब्रिटेन का सबसे बड़ा समझौता ऑस्ट्रेलिया के साथ 2020 में हुआ था, जिसके तहत दोनों देशों के बीच व्यापार में 3.1 बिलियन डॉलर की वृद्धि हो सकती है। ब्रेक्जिट के ब्रिटेन ने अब तक 70 से ज्यादा देशों के साथ ट्रेड डील की है।

घरेलू शराब कंपनियों को कॉम्पिटिशन मिलेगा

इस समझौते के कारण यूके से आने वाली व्हिस्की भारत में कम कीमत पर उपलब्ध होगी, हालांकि इस डील के बाद उन घरेलू शराब कंपनियों को कॉम्पिटिशन मिलेगा, जो प्रीमियम अल्कोहल मार्केट में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन के सीईओ मार्क केंट ने इस डील को ट्रांसफॉर्मेशनल बताया और कहा, यूके-भारत फ्री ट्रेड एग्रीमेंट एक पीढ़ी में एक बार होने वाला सौदा है.

भारत के 99 प्रतिशत निर्यात को टैरिफ में राहत मिलेगी

इस समझौते से भारत से ब्रिटेन को होने वाले 99 प्रतिशत निर्यात पर टैरिफ यानी आयात शुल्क में राहत मिलेगी। इसका मतलब है कि भारत से जो सामान ब्रिटेन भेजा जाएगा, उस पर लगने वाला टैक्स या तो बहुत कम हो जाएगा या पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। वहीं, ब्रिटेन की कंपनियों के लिए भी यह समझौता फायदेमंद होगा।

प्रवर्तन निदेशालय की टीम का छापा

अनिल अंबानी के ठिकानों पर ईडी की रेड 50 कंपनियों में जांच कर रहे अधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

कारोबारी अनिल अंबानी के आवास पर ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापा मारा है। खबर है कि गुरुवार को केंद्रीय जांच एजेंसी की टीमें उनसे जुड़े कई ठिकानों पर रेड के लिए पहुंचीं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

पीएमएलए के तहत ईडी ने ऐक्शन लिया है। अनिल अंबानी के घर ईडी की रेड चल रही है। कभी देश के टॉप अमीरों में शामिल रहे अनिल अंबानी की कई कंपनियां बिक चुकी हैं और कई कंपनियां दिवालिया हो चुकी हैं। एसबीआई ने उन्हें फ्रॉड घोषित किया है। उद्योगपति अनिल अंबानी के परिसरों पर ईडी की रेड पड़ी है। बताया जा रहा है कि सुबह से ये छापा चल रहा है। ये रेड किस मामले में पड़ रही है इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। कभी देश के टॉप अमीरों में शामिल अंबानी की कई कंपनियां दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही हैं या बिक चुकी हैं। एसबीआई ने उनकी कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस और उन्हें (अनिल अंबानी को) फ्रॉड घोषित किया है।

विधानसभा के मानसून सत्र में...आ सकता है जन विश्वास विधेयक-2.0

13 विभागों के 23 अधिनियमों के 45 प्रावधानों में संशोधन की तैयारी

भोपाल (एजेंसी)

28 जुलाई से 8 अगस्त के बीच आयोजित होने जा रहे मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में राज्य सरकार मप्र जन विश्वास विधेयक 2.0 लाने की तैयारी में है। संसदीय कार्य विभाग द्वारा विधानसभा सचिवालय को दिए गए एजेंडे में इसे शामिल किया गया है। इस संशोधन विधेयक के माध्यम से सरकार 13 विभागों के 23 अधिनियमों के 45 प्रावधानों में संशोधन कर सकती है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सरकार मप्र जन विश्वास विधेयक 1.0 सदन में लाई थी, जिसमें पांच विभागों के आठ अधिनियमों के 64 प्रावधानों में संशोधन किया था।

केंद्र सरकार के बाद, मध्य प्रदेश इस विधेयक को लाने वाला पहला राज्य है। प्रस्तावित जन विश्वास विधेयक 2.0 के माध्यम से सरकार शासकीय प्रक्रिया को सरल बनाने और छोटी-मोटी गलतियों पर कारावास जैसी सजा के प्रावधान को समाप्त करना चाहती है। यह, विधेयक सरकार की 'कारोबार में आसानी'

नीति के तहत लाया जा रहा है।

कैबिनेट की मंजूरी के बाद सदन में होगा पेश

मप्र जन विश्वास-2.0 विधेयक को सदन में पेश करने से पहले इसे मंत्रि-परिषद से पास कराया जाएगा। आगामी मंत्रि-परिषद की बैठक में इसका प्रस्ताव आ सकता है। मंत्रि-परिषद से मंजूरी मिलने के बाद मानसून सत्र में इसे विधानसभा में पेश किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि विगत 18 जुलाई को इस विधेयक के संबंध में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में विधेयक में शामिल विभिन्न विभागों के प्रावधानों पर चर्चा की गई। मंत्रि-परिषद की बैठक के लिए विधेयक के प्रारूप को तैयार करने से पहले प्रमुख सचिव स्तर पर एक और बैठक हो सकती है।

अनुपूरक बजट भी होगा पेश

मानसून सत्र में सरकार अनुपूरक बजट पेश करेगी। सरकार ने तय किया है कि बजट में केवल जनहित से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। वहीं, अनावश्यक खर्चों पर सख्ती बरती जाएगी। वित्त विभाग ने सभी विभागों से साफ कह दिया है कि अफसरों के लिए वाहन जैसी फिजूलखर्ची संबंधी प्रस्ताव न भेजें। इस सप्लीमेंट्री बजट में जनता से जुड़े कार्यों के लिए अतिरिक्त राशि का प्रावधान किया जाएगा, ताकि विकास योजनाएं रुके नहीं और प्रदेश के हित में प्रभावी क्रियान्वयन हो सके।

खसरा रोधी टीका की अनिवार्यता होगी समाप्त

मप्र जन विश्वास विधेयक 2.0 में संशोधन के माध्यम से सरकार खसरा रोधी टीकाकरण अधिनियम 1968 को समाप्त कर सकती है। इस अधिनियम के अनुसार, खसरा रोधी टीका लगवाना अनिवार्य था। गृह विभाग के एनाटॉमी अधिनियम में भी संशोधन किया जा जा सकता है। इसके अलावा नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 208 और नगर निगम अधिनियम, 1956 की धारा 195 में संशोधन किया जाएगा। मोटरयान कराधान नियम (मोटर वाहन कराधान नियम) के अंतर्गत अर्थदंड तक की सजा का प्रावधान किया जाएगा।

हादसा — गुरुग्राम में टेनिस प्लेयर की हत्या मामले में पोस्टमार्टम में हुआ बड़ा खुलासा

पिता चौथी गोली न मारता तो बच जातीं राधिका यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)

नेशनल टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की 10 जुलाई को हुई हत्या के मामले में बड़ी जानकारी सामने आई है। गोली मारने वाले उसके पिता दीपक के अंदर इतना गुस्सा भरा था कि वह उसे जिंदा देखना नहीं चाहता था।

बताया गया है कि उसने एक के बाद एक चार गोलियां मारकर उसे मौत के घाट उतार दिया था। अगर पिता तीन गोलियां मारने के बाद भी रुक जाता तो राधिका की जान बचाई जा सकती थी। राधिका की मौत उस चौथी गोली की वजह से हुई जो उसके दिल तक गई थी। राधिका की हत्या उसके पिता ने 10 जुलाई की सुबह उस वक्त की थी जब वह घर के लोगों के लिए खाना बना रही थी। खाना बनाने के दौरान राधिका की पीठ पर पिता ने पहले दो गोलियां चलाईं, लेकिन उसे कुछ नहीं हुआ तो पिता ने तीसरी गोली पीठ से चार अंगुल ऊपर कंधे के नीचे दागी। यह गोली आगे सीने तक गई। इसके बाद भी राधिका खड़ी रही। वह दाहिनी तरफ से पीछे मुड़ने और हाथ उठाकर यह सब रोकने की कोशिश करने लगी, लेकिन पिता को रहम नहीं आया। उसने अगले पल ही चौथी गोली दाग दी, जो कि उसकी बगल के नीचे लगते हुए दिल तक पहुंची।

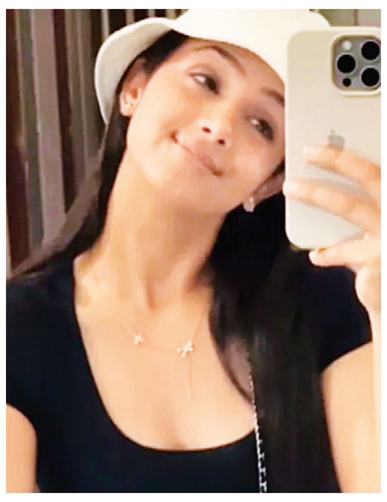

रीढ़ की हड्डी से टकराई थीं दो गोलियां

वहीं, पोस्टमार्टम करने वाले डाक्टरों का मानना है कि पिता द्वारा चलाई गई पहली दो गोलियां रीढ़ की हड्डी से टकराई थीं। इसलिए उसे कुछ नहीं होता। तीसरी गोली सीने के पास जा लगी। इसने घायल जरूर किया, लेकिन जान इससे भी नहीं जाती। जो चौथी गोली दिल तक गई, उसी कारण राधिका की मौत हुई। अगर पिता तीन गोली मारने के बाद भी रुक जाता तो राधिका की जान बचाई जा सकती थी।

राधिका ने कहा था, न जहर खाऊंगी न फांसी पर लटकूंगी

राधिका की हत्या न तो किसी ताने की वजह हुई और न ही यह सब इतना अचानक हुआ कि किसी को समझ नहीं आया। पुलिस सूत्रों और आसपड़ोस के लोगों के अनुसार, घरवाले राधिका की शादी कराना चाहते थे, लेकिन इसके लिए वह राजी नहीं थी। इसलिए राधिका और उसके पिता के बीच कई दिनों से झगड़ा चला आ रहा था। हत्या से तीन दिन पहले दोनों के बीच एक बार फिर तेज बहस हुई थी। इस दौरान कहासुनी में राधिका ने कहा था कि न तो जहर खाऊंगी और न ही फांसी पर लटकूंगी, मैं तो जिंदगी जिऊंगी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस बात की जानकारी हत्या के बाद पहली बार घर पहुंची पुलिस को पूछताछ के दौरान मां ने दी थी।

राहुल बोले-

चुनाव आयोग ने कर्नाटक में धोखाधड़ी की

नई दिल्ली.कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बिहार में वोटर्स लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के विरोध के बीच चुनाव आयोग पर कर्नाटक में भी धोखाधड़ी का आरोप लगाया। राहुल ने गुरुवार को संसद के बाहर कहा कि वोटर लिस्ट रिवीजन के नाम पर कर्नाटक में हजारों बोगस वोटरों के नाम जोड़े गए। राहुल ने कहा, चुनाव आयोग ने कर्नाटक की एक सीट पर धोखाधड़ी कराई। हमारे पास इसके 100त्न सबूत हैं। एक ही निर्वाचन क्षेत्र में 50, 60 और 65 साल के हजारों-हजार नए वोटरों को सूची में जोड़ा गया है और 18 साल से ज्यादा उम्र के वोटरों को सूची से हटा दिया गया है।राहुल गांधी ने यह बातें श्वष्ट के उस बयान के बाद कही हैं, जिसमें बिहार में वोटरों के वेरिफिकेशन प्रोसेस का बचाव किया गया था। चुनाव आयोग ने गुरुवार को एक बयान में अपने आलोचकों से सवाल पूछा कि क्या मृत और प्रवासी मतदाताओं के नाम पर फर्जी वोट डालने की अनुमति देनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

62 लीटर अवैध शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

सतना। जिले में अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रामपुर बाघेलान पुलिस ने एक बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया है। कार्रवाई के दौरान 62.640 लीटर अवैध शराब और दो मोबाइल फोन के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को थाना प्रभारी निरीक्षक संदीप चतुर्वेदी के नेतृत्व में सउनि राजेन्द्र तिवारी एवं टीम द्वारा ग्राम तपा में दबिश दी गई। मौके पर आरोपी सुजान सिंह और बादल सिंह को गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से 07 कार्टून में भरी कुल 348 पाव देशी व अंग्रेजी शराब बरामद की गई, जिसकी बाजार कीमत लगभग 41,760 आँकी गई है। साथ ही मौके से दो मोबाइल फोन (मूल्य 35,000) भी जब्त किए गए। गिरफ्तार आरोपियों में सुजान सिंह पिता धर्मेन्द्र सिंह पटेल उर्फ छोटू, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम तपा, थाना रामपुर बाघेलान और बादल सिंह सिगरौल पिता रमेश कुमार सिंह, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम जमुना, थाना रामपुर बाघेलान शामिल है।

प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी

सतना। तहसील रामनगर अंतर्गत ग्राम खारा पोस्ट बडा इटमा के आवेदक वृन्दावन मिश्रा द्वारा जनसुनवाई में शिकायत की गई है कि हल्का खारा में प्रतिवेदित शासकीय आराजी नम्बर 390 के अंशभाग पर प्राचार्य राजू साकेत द्वारा अवैध मकान बनाकर अतिक्रमण किया गया है। अपर कलेक्टर मैहर शैलेन्द्र सिंह ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बडा इटमा न्यू रामनगर के प्राचार्य राजू साकेत को नोटिस जारी करते हुए कहा कि अतिक्रमण हटाकर अपनी रिपोर्ट 3 दिवस में कार्यालय में समक्ष प्रस्तुत करें।

सीएम राइज स्कूल से कबाड़ में बेच दी गईं किताबें!

उचेहरा विकासखंड का मामला

नगर संवाददाता, सतना।

सीएम राइज स्कूल उचेहरा में किताब कबाड़ में बेचने का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। स्थानीय सूत्रों से मिली खबर के अनुसार करीब 16 से 20 क्विंटल सामग्री बेची गई है। शासकीय पाठ्य पुस्तकें एक मिनी ट्रक में भरकर ले जाई गईं हैं। यह स्थिति तब और भी चिंताजनक हो जाती है जब विकासखंड के कई विद्यालयों में पुस्तकों की भारी कमी की शिकायतें मिल रही हैं।

जानकारी के अनुसार, शासकीय पुस्तकों को कबाड़ में बेचना न केवल एक गैर-जिम्मेदाराना कदम है। नियमतः इन पुस्तकों का विधिवत समायोजन किया जाना था। जिन विद्यालयों में पुस्तकें अधिक थीं, उन्हें विकासखंड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से उन संस्थानों तक पहुंचाना चाहिए था, जहां छात्र संख्या अधिक होने के कारण पुस्तकें कम पहुंच पाई हैं।

मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा हर वर्ष छात्र संख्या के आधार पर विषयवार पुस्तकें भेजी जाती हैं। विकासखंड शिक्षा अधिकारी इन पुस्तकों का वितरण दर्ज छात्र संख्या के अनुसार करते हैं। सत्र प्रारंभ से पूर्व किताबें भेजे जाने के कारण कभी-कभी पुस्तकें अधिक पहुंच जाती हैं, जिन्हें स्कूल के स्टॉक रजिस्टर में संधारित करते हुए आगामी सत्र में उपयोग के लिए संरक्षित किया जाता है। लेकिन इस मामले में राइज विद्यालय द्वारा स्टॉक में उपलब्ध पुस्तकों को शून्य दिखाकर अतिरिक्त मांग की गई और बाद में बची हुई पुस्तकों को मनमानी तरीके से कबाड़ में बेच दिया गया। यह कृत्य शिक्षा विभाग के नियमों का उल्लंघन है।

संचालक ने लिखा था कलेक्टर को पत्र

राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलों के कलेक्टरों को अर्धशासकीय पत्र जारी कर छात्रों को समय पर सौ प्रतिशत पुस्तक उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी तय की है। अब यह देखना होगा कि जिम्मेदार प्राचार्य के विरुद्ध शिक्षा विभाग और प्रशासन क्या कार्रवाई करता है। सीएम राइज विद्यालय के जिम्मेदारों ने कबाड़ बेचने के लिए एकल व्यक्ति को बुलाया और मात्र छह रुपए की दर से बेच दिया। जबकि बाजार में रद्दी का भाव 10 रुपए से लेकर 22 रुपए है।

इनका कहना है

एसएमडीसी की बैठक के बाद रद्दी बेची गई है। रद्दी में कोई किताब नहीं थी, पुरानी कॉपियां थी। जिन्हें स्थानीय एक कबाड़ी को छह रुपए की दर से दिया गया है। कुल पांच क्विंटल रद्दी थी, यदि अधिक होती तो टेंडर की प्रक्रिया अपनाई जाती।

अजय त्रिपाठी, प्राचार्य सीएम राइज उचेहरा

हरियाली अमावस्या आज शिव पूजन का विशेष महत्व

नगर संवाददाता, सतना।

सावन मास की हरियाली अमावस्या इस साल उदया तिथि के अनुसार इस साल अमावस्या 24 जुलाई को है। हरियाली अमावस्या पर पितरों का तर्पण किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अमावस्या पर पितरों का तर्पण करने से पितृ प्रसन्न हो जाते हैं। स्कंद पुराण में अमावस्या पर श्राद्ध करने के विषय में बताया गया है। इस साल सावन मास की अमावस्या तिथि का आरंभः 24 जुलाई सुबह 2.29 बजे से शुरू होगी और 25 जुलाई को रात 12.41 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार 24 जुलाई को हरियाली अमावस्या मनाई जाएगी। इस दिन गंगा स्नान और दान का बहुत अधिक महत्व है। इस दिन पितरों का श्राद्ध करना उत्तम रहता है।

चित्रकूट में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

आगामी हरियाली अमावस्या पर्व पर चित्रकूट में लगने वाले दो दिवसीय मेले को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। बाढ़ के बाद यह पहला अवसर है जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु एक साथ चित्रकूट में एकत्र होंगे। इसको देखते हुए मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश प्रशासन ने संयुक्त रूप से व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। सतना जिला पुलिस ने मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने का निर्णय लिया है। एएसपी, डीएसपी, एसडीओपी, निरीक्षक सहित कुल 400 पुलिसकर्मियों को मेले में ड्यूटी पर लगाया जा रहा है। बुधवार देर शाम से ही चित्रकूट में बाहरी पुलिस बल का पहुंचना शुरू हो गया है। चित्रकूट के प्रमुख धार्मिक स्थलों कामतानाथ मंदिर, परिक्रमा पथ, सती अनुसुईया आश्रम, मंदाकिनी घाट आदि स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।

सर्व समाज ने लिया नशा मुक्त समाज का संकल्प चिकित्सकों व पुलिसकर्मियों ने साझा किए अनुभव

नगर संवाददाता, सतना।

नशे से दूरी है ज़रूरी के अंतर्गत सतना जिले में बुधवार को एक भव्य शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नशा मुक्ति को लेकर जनजागरूकता फैलाना और समाज के सभी वर्गों को इसके खिलाफ एकजुट करना था। कार्यक्रम का आयोजन उमा रेजीडेंसी सतना में किया गया, कार्यक्रम में डॉ. लक्ष्मी मोहनानी ने आयोजनकर्ता की भूमिका निभाई। इस जनजागरूकता अभियान में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों, युवा वर्ग, विद्यार्थी, स्वयंसेवी संस्थाएं एवं प्रशासनिक अधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके दुष्प्रभावों से अवगत कराने की शपथ ली।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के रूप में डॉ. राकेश अग्रवाल, डॉ. संगीता जैन, नमामि जी, राखी होतचंदानी, निरीक्षक सुदीप सोनी, निरीक्षक पंकज शुक्ला, निरीक्षक श्वेता मौर्या, महिला आरक्षक निधि सिंह, मनीषा तिवारी एवं चालक प्रधान आरक्षक जुगल किशोर त्रिपाठी की भी इस आयोजन में सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने नशे के सामाजिक, मानसिक और शारीरिक दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला और युवाओं को इसके खिलाफ जागरूक रहने का संदेश दिया।

असामाजिक तत्वों ने विद्यालय में की तोड़फोड़

सतना। पिथौराबाद स्थित शासकीय माध्यमिक शाला एक बार फिर असामाजिक तत्वों की शरारत का शिकार बनी है। बीती रात अज्ञात लोगों ने स्कूल परिसर में घुसकर खिड़कियां, दीवारें और बिल्डिंग के पिलर तोड़ डाले। इसके अलावा कक्ष का दरवाजा तोड़कर अंदर रखी खेल सामग्री भी चुरा ली। विद्यालय के प्रधानाध्यापक कोदू लाल वर्मा ने पोड़ी चौकी में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि यह कोई पहली घटना नहीं है। पूर्व में भी स्कूल से पंखे चोरी हो चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, रात होते ही स्कूल परिसर असामाजिक तत्वों और शराबियों का अड्डा बन जाता है। स्कूल के बरामदे और परिसर में बिखरी शराब की बोतलें, डिस्पोजल कप और गंदगी इसका प्रमाण हैं।

पुराने राजस्व रिकॉर्डों की दुर्दशा, पटवारियों की लापरवाही से किसान परेशान

जिले के मुख्य रिकॉर्ड रूम की खस्ताहाल स्थिति उजागर

नगर संवाददाता, सतना।

नागौद तहसील स्थित सतना जिले के मुख्य रिकॉर्ड रूम में रखे गए वर्षों पुराने राजस्व दस्तावेज अब खस्ताहाल स्थिति में पहुंच चुके हैं। 1958-59 के बंदोबस्त की खतौनियों से लेकर वर्ष 2025 तक के खसरा-खतौनी, नामांतरण, पंजी इत्यादि दस्तावेज या तो बुरी तरह जर्जर हो चुके हैं या कई हल्कों की खतौनियां पूरी तरह से गायब बताई जा रही हैं। किसानों को अक्सर पुराने रिकॉर्ड के आधार पर जमीन संबंधी त्रुटियों का सुधार कराना होता है, परंतु रिकॉर्ड की दुर्दशा के चलते उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे गंभीर बात यह है कि इन जर्जर रिकॉर्डों से नकल निकलवाने के लिए गरीब किसानों से मनमानी वसूली की जा रही है। एक नकल के लिए हजार रुपये तक वसूले जा रहे हैं, जिससे जरूरतमंद उपभोक्ता शोषण का शिकार हो रहे हैं।

किसानों और जनप्रतिनिधियों की यह प्रमुख मांग है कि पुराने रिकॉर्डों को शीघ्र डिजिटल किया जाए। रिकॉर्ड ऑनलाइन होने से एक ओर जहां अवैध वसूली पर रोक लगेगी, वहीं दूसरी ओर किसानों को घर बैठे नकल प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी। यदि जल्द ही डिजिटलाइजेशन की दिशा में कार्य नहीं किया गया, तो पुराने कागजात पूरी तरह से नष्ट हो सकते हैं, जिससे भविष्य में भूमि संबंधी विवाद और अधिक बढ़ सकते हैं। जिला प्रशासन से यह अपेक्षा है कि किसानों की इस अहम समस्या को गंभीरता से लेते हुए जरूरी कदम उठाए जाएं।

32 लाख की ठगी से तंग युवक ने की थी आत्महत्या, आरोपी गिरफ्तार भेजा जेल

नगर संवाददाता, सतना।

जिले के नागौद पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक पांडेय के नेतृत्व में की गई, जिसमें धारा 108 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।जानकारी के अनुसार, 27 मई को कोल्हुआ निवासी अमृतलाल बागरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसी दिन दोपहर को उदयराज बागरी उर्फ छोटू ने आम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके से उसका मोबाइल जब्त किया गया जिसमें एक सुसाइड वीडियो मिला। वीडियो में मृतक ने बताया कि ग्राम कोल्हुआ निवासी रावेंद्र पटेल उर्फ गुड्डा ने उससे 2 एकड़ जमीन दिलाने के नाम पर 32 लाख रुपये ले लिए थे न तो जमीन की रजिस्ट्री कराई और न ही पैसा वापस किया। इस आर्थिक और मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर उसने आत्महत्या की। पुलिस ने इस आधार पर आरोपी रावेंद्र पटेल पिता योगेंद्र पाल पटेल उम्र 41 वर्ष, निवासी ग्राम कोलगढ़ी थाना नागौद के खिलाफ अपराध क्रमांक 445/25 धारा 108 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। आरोपी घटना के बाद से ही फरार चल रहा था, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

महिला से घरेलू हिंसा का वीडियो वायरल, पति पर मामला दर्ज

नगर संवाददाता, सतना।

जिले के चित्रकूट से एक महिला के साथ घरेलू हिंसा का सनसनीखेज मामला सामने आया है। 19 जुलाई को हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक व्यक्ति अपनी

पत्नी को जमीन पर गिराकर लात मारते और बाल पकड़कर घसीटते हुए दिखाई दे रहा है। यह वीडियो घर के अंदर का है और बताया जा रहा है कि आरोपी चित्रकूट में दो होटलों का मालिक है। वीडियो वायरल होने के बाद चित्रकूट पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए कार्रवाई शुरू की है। थाना प्रभारी डीआर शर्मा ने बताया कि महिला या उसके परिजनों की ओर से अब तक कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। बावजूद इसके, पुलिस ने वीडियो को आधार मानते हुए आरोपी व्यक्ति के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 151 के तहत मामला दर्ज किया है।पुलिस ने वीडियो में दिख रहे स्थान की पहचान कर मौके की पुष्टि भी की है। हालांकि, जब पुलिस ने महिला से संपर्क किया तो उसने पति के खिलाफ किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से इनकार कर दिया।

होटल में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, समय रहते टली बड़ी दुर्घटना

नगर संवाददाता, सतना।

शहर के व्यस्त रीवा रोड पर स्थित दशमेश होटल में बुधवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब होटल के एक बंद कमरे से अचानक धुआं उठता देखा गया। शाम 6 बजे के करीब हुए इस हादसे का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही होटल स्टाफ तुरंत हरकत में आया। कमरे को खोलते ही अंदर जलती आग नजर आई, जिसके बाद कर्मचारियों ने फायर सिलेंडर से आग बुझाने का

प्रयास शुरू किया। होटल मैनेजर प्रभात शर्मा ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियाँ और एक हाइड्रोलिक क्रेन मौके पर पहुंच गई और समन्वित प्रयासों से आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि तब तक कमरे में रखा सोफा और एयर कंडीशनर पूरी तरह जल चुके थे। आगजनी की खबर मिलते ही होटल में ठहरे अन्य ग्राहकों के बीच घबराहट का माहौल बन गया। कई लोग अपना सामान लेकर होटल से बाहर निकल आए थे। लेकिन आग पर काबू पाने की सूचना के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

करंट लगने से कर्मचारी की मौत

नगर संवाददाता, सतना।

शहर के एक वर्कशॉप में बुधवार की शाम करंट लगने से एक कर्मचारी की मौत हो गई। मृतक की पहचान मोहम्मद वसीम उर्फ आसिफ पिता स्व. मोहम्मद सलीम, उम्र 45 वर्ष निवासी नवदुर्गा चौक भैसाखाना थाना सिटी कोतवाली के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वसीम बीते करीब 20 वर्षों से गहरा नाला स्थित पार्षद रशीद डेन्टर के गैराज में कार्यरत था। रोज की तरह बुधवार सुबह लगभग 10 बजे वह दुकान पहुंचा, जहां से रशीद डेन्टर ने उसे और एक अन्य कर्मचारी सैयद वासिफ अली उर्फ गोलू को कोलगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनवर्षा रोड डिलोरा स्थित अमित कार्गो वर्कशॉप में वाहन रिपेयरिंग के लिए भेजा था। बताया जा रहा है कि शाम करीब 5 बजे वसीम वहां इलेक्ट्रिक बिल्डिंग मशीन से गाड़ियों पर काम कर रहा था। इसी दौरान मशीन की कटी हुई तारों में उलझने से वह करंट की चपेट में आ गया। करंट लगते ही वसीम की मौके पर ही मौत हो गई।

कौशल एवं रोजगार राज्य मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल का सर्किट हाउस में हुआ स्वागत

नगर संवाददाता, सतना।

मध्य प्रदेश शासन के कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. गौतम टेटवाल अल्प प्रवास पर सतना पहुंचे। उनके सतना आगमन पर भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पाण्डेय के नेतृत्व में सर्किट हाउस में उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान महापौर योगेश ताम्रकार, नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी, भाजपा जिला महामंत्री रमाकांत गौतम, जिला उपाध्यक्ष बालेन्द्र गौतम, जय प्रताप गुप्ता, जान्हवी त्रिपाठी, संजीव दुबेदी, सुनील सेनानी, अभिषेक तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी श्याम लाल गुप्ता

(श्यामू), दीपेन्द्र नाथ त्रिपाठी, एडवोकेट अरविन्द मिश्रा, राजनरायण तिवारी, रामसागर पांडेय रत्नेश पांडेय, नीता सोनी, प्रभा पांडेय, आदित्य यादव और बालकृष्ण शुक्ला सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मंत्री डॉ. टेटवाल ने कौशल विकास एवं रोजगार के क्षेत्र में सरकार की योजनाओं पर चर्चा की और स्थानीय कार्यकर्ताओं से संवाद कर जिले में रोजगार एवं प्रशिक्षण के नए अवसरों की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया।

निर्देश | कलेक्टर ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को निर्धारित समय पर उपस्थित रहने दिए निर्देश

अब कार्यालयों में नही चलेगा देर से आना जल्दी जाना

नगर संवाददाता, सतना।

शासकीय कार्यालयों में कार्यालयीन समय पर अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों पर कलेक्टर ने सख्ती बरती है। अब नियत समय पर कार्यालय से गायब रहने वाले कर्मचारियों पर विधि सम्यक कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने इस संबंध में आदेश जारी कर कहा है कि समस्त शासकीय अधिकारी-कर्मचारी निर्धारित समय पर कार्यालय में उपस्थित होना सुनिश्चित करें एवं सक्षम प्राधिकारी के अनुमति के पश्चात ही

फाइल फोटो

अवकाश पर प्रस्थान करेंगे।

कार्यालयों में 8 घंटे रहना होगा उपस्थित

कलेक्टर ने दिए गए निर्देश में कहा है कि शासन के निर्देशों के अनुरूप समस्त कार्यालयों के कार्य दिवस सप्ताह में 5 दिवस सोमवार से शुक्रवार एवं कार्यालयीन समय प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक नियत किया गया है। विभागीय अधिकारी निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाना सुनिश्चित करें। आकस्मिक निरीक्षण के दौरान अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाये जाने पर विधि सम्यक कार्यवाही की जायेगी।

फाइव डे वर्किंग

दरअसल प्रदेश में कोरोना काल के समय फाइव डे वर्किंग शुरु किया गया था, जिसके हिसाब से सरकारी दफ्तरों में काम करने वाले कर्मचारियों को पांच दिन काम करना होता था और शनिवार और रविवार को छुट्टी मिलती थी। कोरोना काल वाली टाइमिंग में एक घंटा ज्यादा समय किया गया था, इसके बाद भी अधिकारी कर्मचारी लेट आते हैं व जल्दी चले जाते हैं। जिससे सरकारी काम भी प्रभावित होता है और विभागों पर भी दवाब बढ़ता है। यही वजह है कि 26 जून 2024 को समान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर कार्यालयों का समय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक निश्चित किया था लेकिन अधिकांश कार्यालयों में अभी भी अधिकारी कर्मचारी पांच बजे के पहले ही घर चले जाते हैं। लेकिन अब कलेक्टर की सख्ती के बाद क्या असर दिखेगा यह आने वाला समय बताएगा।

रेलवे के चीफ इंजीनियर ने किया निरीक्षण, दिये निर्देश

सतना। रेलवे के चीफ इंजीनियर आशुतोष गौतम ने रेलवे में चल रहे निर्माण कार्यो का का न केवल निरीक्षण किया बल्कि बारिश के दौरान आने वाली समस्याओं के प्रति कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान उनके साथ रेलवे के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। श्री गौतम ने ट्रेन द्वारा सतना से मानिकपुर तक चल रहे निर्माण कार्यो सहित रेल ट्रैक , हाटी जैतवारा में बन रहे गेट, अंडर ब्रिज आदि का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री गौतम ने एलएचएस कार्य स्थल के चौकीदारों को एलएचएस में भारी बारिश और जलजमाव के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में सलाह दी गई।

मासूम से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार, गांव वालों ने की थी धुनाई

नगर संवाददाता, सतना।

अमरपाटन थाना पुलिस ने 8 वर्षीय मासूम बच्ची से छेड़छाड़ के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। आरोपी की पहचान कामता कोरी पिता द्वारिका कोरी उम्र 40 वर्ष के रूप में हुई है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना 22 जुलाई की शाम लगभग 6 बजे की है, जब आरोपी शराब के नशे में धुत होकर मासूम के साथ आपत्तिजनक हरकतें कर रहा था। आरोपी की इस शर्मनाक करतूत को गांव के कुछ लोगों ने देख लिया, जिसके बाद उन्होंने मौके पर ही आरोपी की जमकर पिटाई कर दी और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही अमरपाटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लिया। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ पाक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

त्रैमासिक पत्रिका बघेली अंजोर का हुआ विमोचन

रीवा संवाददाता। बोली विकास मंच की सद्य: प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका बघेली अँजोर का विमोचन, शिक्षाविद और कथाकार श्रीमती आरती सिंह के मुख्य आतिथ्य और समाजसेवी श्रीमती ममता नरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में, प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय रीवा के सभागार में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पत्रिका के संरक्षक साहित्यकार डा.चंद्रिका प्रसाद चंद्र ने बताया कि यह पत्रिका, हिन्दी की पाँच प्रमुख बोलियों अवधी,बघेली, बुंदेली, छत्तीसगढ़ी और भोजपुरी के मध्य,समन्वय स्थापित करते हुए,विस्तृत क्षेत्र में, भाषाई समझ के विकास के साथ, सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत के रूप मे स्थापित होगी। वरिष्ठ पत्रकार जयराम शुक्ल ने पत्रिका के संरक्षक मण्डल के साथ प्रधान सम्पादक डा.विकल की सर्वव्यापक सोच,अथक परिश्रम और सहयोगी सम्पादकों को साथ लेकर, पाँच बोलियों पर केंद्रित पत्रिका के प्रकाशन और लोकार्पण के लिए साधुवाद देते हुए, बोलियों के विकास,संरक्षण और संवर्धन की दिशा में पत्रिका की उपयोगिता को साहित्यिक क्षेत्र की महत्वपूर्ण उपलब्धि कहा।

विद्युत तार की चपेट मे आने से युवक की मौत

रीवा संवाददाता। रीवा जिले के पनवार थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत खाझा के अमनैता टोला में विद्युत तार की चपेट मे आने से एक युवक की मौत हो गई आपकों बता दे कि राजनाथ पांडेय उर्फ राजा पिता कृष्णबिहारी पांडेय उम्र 34 वर्ष निवासी अमनैता जो 22 जुलाई को लगभग दोपहर 3 बजे घर की बिजली खराब थीं जिसको सुधार करने के लिए विद्युत् ट्रांसफार्मर के पास गए हुए थे।

अवैध रूप से भवन निर्माण का लगाया गया आरोप पूर्णतः असत्यः पूर्व पार्षद साबिर

रीवा, नगर संवाददाता।

उर्रहट स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में शहर अध्यक्ष लखनलाल खण्डेलवाल एवं सत्यनारायण तिवारी की उपस्थिति में वार्ड क्र. 25 के पूर्व पार्षद मोहम्मद साबिर अंसारी ने अपने और अपनी पत्नी के ऊपर लगाए गए आरोपों का पुरजोर खण्डन किया और कहा कि उनकी पत्नी वार्ड क्रं. 25 से वर्तमान पार्षद है। समाचार पत्रों एवं न्यूज चैनलों में प्रसारित समाचार देखकर मुझे आश्चर्य हुआ कि मध्यप्रदेश शासन की भूमि पर अवैध रूप से भवन निर्माण का आरोप मेरे और मेरी पत्नी पर लगाया गया है, जो कि पूर्णतः असत्य है। संदर्भित भूमि से मेरा व मेरी पत्नी से कोई लेना देना नहीं है। दुर्भाग्य है कि यह आरोप मेरे एवं मेरी पत्नी पर कांग्रेस पार्टी के एक पदाधिकारी ने लगाया गया है, जो पूर्णतः निराधार एवं असत्य हैं। मैं एवं मेरी पत्नी वार्ड क्रं. 25 से 4 बार पार्षद के साथ साथ, मैं कांग्रेस पार्टी का ब्लॉक अध्यक्ष भी रह चुका हूँ। मैंने भाजपा के दबाव के बावजूद कांग्रेस पार्टी को न तो छोड़ा हैं, और ना ही कभी छोड़ूंगा और पूरी निष्ठा एवं लगन के साथ कांग्रेस पार्टी का एक सिपाही बनकर भाजपाईयों के अन्याय के विरूद्ध संघर्ष करता रहूंगा। बिना पूर्ण जानकारी प्राप्त किये जिस प्रकार से निराधार एवं मनगढ़ंत आरोप मेरे ऊपर लगाकर मुझे बदनाम करने का प्रयास किया गया हैं, वह कतई उचित नही हैं। श्री साबिर ने आगे कहा है कि जिन लोगों ने मेरे ऊपर गलत आरोप लगाया है वे सार्वजनिक रूप से माफी मांगे अन्यथा मैं उनके ऊपर मानहानि का दावा दायर कर कानूनी लड़ाई लड़ूंगा।

सौजन्य भेंट

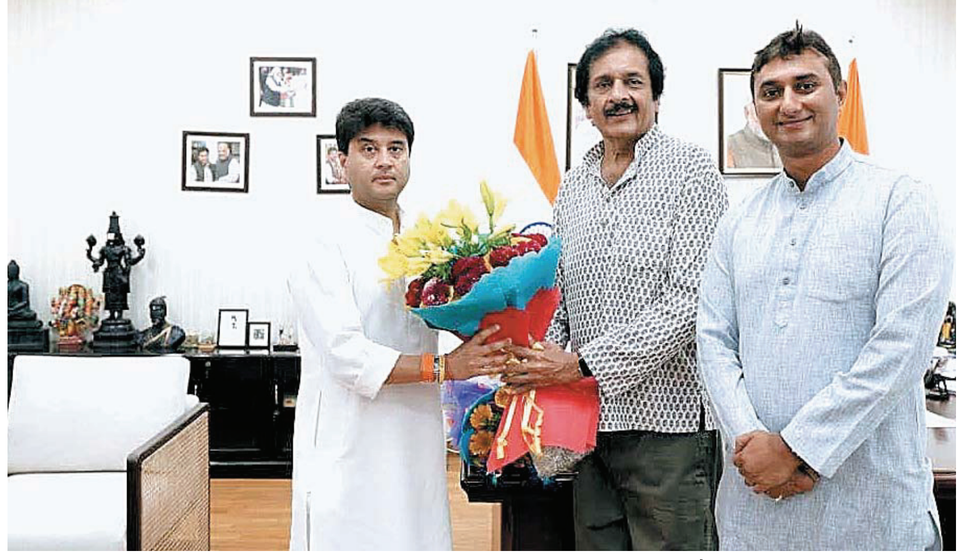

रीवा। नई दिल्ली में केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह ने की सौजन्य भेंट। इस अवसर पर महाराजा पुष्पराज सिंह भी उपस्थित रहे।

जवा पुलिस ने न्यू चिल्ड्रेन एकडमी विद्यालय में नशे के खिलाफ चलाया जागरूकता अभियान

रीवा, नगर संवाददाता। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में नशे के खिलाफ नशे से दूरी है जरूरी अभियान चलाया जा रहा है,जिसके तहत पूरे रीवा जिले की पुलिस आम जनता को जागरूक करने का प्रयास कर रही है। इसी कडी में जवा थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश साहू और उनकी पुलिस टीम द्वारा न्यू चिल्ड्रेन एकडमी हायर सेकेण्डरी स्कूल जवा में एक कार्यक्रम आयोजन कार बच्चो को जागरूक करने प्रयास किया गया वही यह अभियान पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह के निर्देशन में एसडीओपी नारायण सिंह कुम्हरे के मार्गदर्शन में जवा पुलिस द्वारा चलाया जा रहा है।

पीटीएस की शासकीय भूमि पर हो रहा अवैध निर्माण

कांग्रेस नेता कुंवर ने कमिश्नर कार्यालय में की शिकायत

रीवा, नगर संवाददाता।

जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष व किसान नेता कुंवर सिंह पटेल ने बताया कि पुलिस प्रशिक्षण शाला (पीटीएस) रीवा के साथ लगी मध्य प्रदेश शासन की भूमि क्रमांक 685 स्थित है जिसका रकवा 0.0490 हेक्टेयर है। पुलिस प्रशिक्षण शाला के कब्जे वाली इस शासकीय जमीन पर कुछ दिनों से अवैध निर्माण शुरू हो गया है।इतना ही नहीं सरकारी भूमि पर कुछ लोग अवैध निर्माण यथा दुकान, बिल्डिंग इत्यादि के फिराक में हैं।कांग्रेस नेता के अनुसार उपरोक्त भूमि मध्य प्रदेश सरकार की है तथा पुलिस प्रशिक्षण शाला के उपयोग के लिए आरक्षित की गई थी परंतु पीटीएस रीवा के कुछ कर्मचारियों की सहमति से इस भूमि पर अनाधिकृत कब्जा किया जा रहा है जिससे भविष्य में सरकारी भूमि पुलिस प्रशिक्षण या अन्य उपयोग के लिए समाप्त हो जाएगी।फलतः आराजी क्रमांक 685 पुलिस प्रशिक्षण शाला के पास जो मध्य प्रदेश शासन की भूमि है उसके ऊपर हो रहे अतिक्रमण को तत्काल रोककर भूमि को खाली कराने की आवश्यकता है।उन्होंने इस मामले को लेकर संभागायुक्त कार्यालय रीवा में भी शिकायत की है और तत्काल कार्यवाही की मांग की है। चर्चा है कि शासकीय भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण मामले में वार्ड पार्षद की भी भूमिका है।

नरकीय यातनाओं से जूझ रहे निपनिया वासियों ने निगमायुक्त को सौंपा ज्ञापन

सड़क और नाली के तत्काल निर्माण कराये जाने की रखी मांग

रीवा, नगर संवाददाता।

बरसात के समय में जिस मोहल्ले में नाली और सड़क नही है,उस मोहल्ले के लोगों का जनजीवन किस स्तर पर बीत रहा होगा,यह किसी को बताने की आवश्यकता नही है। आये दिन हो रही तेज बारिश से लोगों के घर में पहुंच रहा गंदा और दूषित पानी संक्रमित बीमारियों को आमंत्रित कर रहा है। पानी का बहाव शहर के पॉस कालोनी से लेकर पुराने कालोनिया तक पहुंच रहा है। शहर के निपनिया मोहल्ले के लोग आज नगर निगम कार्यालय पहुंचकर निगम आयुक्त डॉ.सोनवणे को ज्ञापन सौंपते हुये सड़क और नाली निर्माण की मांग रखी। बताया गया कि रीवा नगर निगम क्षेत्र वार्ड क्रमांक 1 निपानिया बीएसएनएल टावर के पास के निवासी आज नगर निगम कार्यालय अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे, वार्ड वासियों ने बताया कि यहां सड़क एवं नाली बनी थी वह टूट गई है जिससे पूरे वर्ष सड़क में नालियों का पानी सड़क से बहता है जिससे यहां के निवासियों एवं स्कूल के आने जाने वाले बच्चों को गंदे पानी में घुसकर जाना पड़ता है। महिलाओं ने बताया कि यहां के निवासियों को मंदिर में पूजा करने एवं मस्जिद में नमाज के लिए प्रतिदिन इसी गंदे पानी से होकर जाना पड़ता है कई बार मौखिक शिकायत करने पर कहा जाता है कि जल्दी ही निर्माण कार्य एवं सुधाकर करवा दिया जाएगा। महिलाओं ने कहा कि जानकारी मिल रही है की रीवा स्वच्छ सर्वेक्षण में पांचवे स्थान पर है शायद हमारे मौहल्ले को स्वच्छता सर्वेक्षण में शामिल नहीं किया गया मोहल्ले का सर्वेक्षण किया जाए तो असलियत सामने आएगी। मोहल्ले वासियों ने ज्ञापन के माध्यम से महापौर और आयुक्त से अनुरोध किया है कि हमारे मोहल्ले में नाली एवं सड़क का निर्माण करवा कर हम लोगों को नरकीय यातना से मुक्ति दिलाए।

तुलसी जयंती समारोह को लेकर सदस्यों की बैठक आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

बुधवार को मानस मण्डल के वरिष्ठ सदस्यों की एक बैठक आयोजित की गयी। 27 से 31 जुलाई तक तुलसी जयंती समारोह मनाने एवं मानस भवन की मासिक पत्रिका निकालने पर विचार किया गया।

सर्वप्रथम मानस मंडल अध्यक्ष सुभाष बाबू पांडे ने सभी को बैठक बुलाने के कारणों के संबंध में बताया एवं इस अवधि में मानस मंडल प्रबंध समिति द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। प्रचार सचिव शिव शंकर दीक्षित ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन सचिव अशोक तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति के तौर पर पीयूष त्रिवेदी, राममनी मिश्र,रमेश प्रताप सिंह,कीर्ति प्रसाद द्विवेदी, रामायण प्रसाद तिवारी,एमपी अग्निहोत्री, मंगल प्रसाद गुप्ता, डॉक्टर केके परोहा, राजेंद्र सोनी, महेंद्र अवधिया ,रामकृपाल गुप्ता, डीपी सिंह परिहार, डॉक्टर एचके पांडे, रामसहाय मिश्रा ,पत्रकार मुकुंद मिश्रा ,संग्राम सिंह,रामायण प्रसाद तिवारी, भीम सेन शर्मा,नारायण डिगवानी, अवधेश श्रीवास्तव, सुनील अग्रवाल एड., आशीष सैनी आदि उपस्थित रहे।

मेडिकल कालेज में आयोजित हुआ 'नशे से दूरी है जरूरी' कार्यक्रम

चिकित्सकों को दिलायी गयी नशा मुक्ति की शपथ

रीवा, नगर संवाददाता।

मध्य प्रदेश पुलिस और रीवा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत बुधवार को रीवा के श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय में नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। रीवा जोन आईजी गौरव राजपूत और एसपी विवेक सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान के तहत मेडिकल कॉलेज के छात्रों के साथ पुलिस अधिकारियों ने ना सिर्फ संवाद कायम किया, बल्कि मेडिकल कॉलेज के डीन द्वारा छात्रों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाते हुए पुलिस प्रशासन की इस मुहिम में कंधे से कंधा मिलाकर प्रदेश सहित रीवा जिले को नशा मुक्त बनाने का संकल्प भी लिया है। प्रदेश सहित जिले भर में 15 से 30 जुलाई तक चलाए जा रहे अभियान के तहत आज रीवा के श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय में नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के डीन सहित सभी वरिष्ठ चिकित्सक और छात्र शामिल हुए, वहीं पुलिस प्रशासन की ओर से एडिशनल एसपी आरती सिंह, नगर पुलिस अधीक्षक रितु उपाध्याय और अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल भी मौजूद रहे हैं। मेडिकल कॉलेज की डीन ने पुलिस प्रशासन की मुहिम को एक सामाजिक जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि पुलिस ने जो अभियान चलाया है वह बेहद ही सराहनीय है और पुलिस प्रशासन के इस अभियान में हम चिकित्सक भी कंधे से कंधे मिलाकर खड़े हुए हैं, क्योंकि पुलिस के साथ-साथ हमारी भी यह जिम्मेदारी है कि हम समाज को नशा मुक्त बनाएं।

तराई क्षेत्र में परिवहन विभाग द्वारा कार्यवाही के नाम पर अवैध वसूली

वाहन चालकों को कागजात के नाम पर किया जाता हैं परेशान

रीवा, नगर संवाददाता।

सिरमौर विधानसभा के तराई आंचल में संभागीय उड़नदस्ता परिवहन स्क्वाड रीवा संभाग रीवा के नाम से लगी नंबर प्लेट की वाहन तराई आंचल के पटेहरा, अतरैला, जवा, रामबाग, सहित कई जगहों पर सुबह से ही वाहन चेकिंग के नाम पर अवैध वसूली किया जा रहा है लेकिन ज़िला प्रशासन इस मामले को लेकर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि रीवा से प्रत्येक दिन वाहन से आकर चेकिंग के नाम पर उड़नदस्ता टीम द्वारा वाहन चालकों को परेशान किया जाता हैं। वाहन के अंदर एक वर्दीधारी के अलावा बिना वर्दी के कई लोग विराजमान रहते हैं जिनका परिवहन विभाग से दूर दूर तक कोई वास्ता नहीं रहता लेकिन वाहन चालकों से अभद्रता डराने धमकाने के साथ साथ अवैध वसूली करने के लिए भेजा जाता है आरटीओ विभाग का वाहन अधिकतर रामबाग से बरगड़ रोड़ पर ही अक्सर नजर आता है। यह रोड मध्य प्रदेश को उत्तरप्रदेश से जोड़ती है वही इस रोड पर सुबह 6 बजे से वाहन चेकिंग की कालमपूर्ति शुरु होती है जो लम्बे समय तक चलती है। वाहन पर उड़नदस्ता प्रभारी का प्लेट लगा होता है और वर्दीधारी के नाम पर एक सिपाही के आलावा सभी बिना वर्दी के लोग वाहन पर सवार रहते हैं। संभागीय उड़नदस्ता परिवहन की वाहन चालकों द्वारा शिकायत आरटीओ और जिला कलेक्टर से कर चुके हैं लेकिन अभी तक कोई ठोस एक्शन नही लिया जा रहा है।

यमुना प्रसाद शास्त्री महा.में रोपे गये पौधे

रीवा, नगर संवाददाता। यमुना प्रसाद शास्त्री महाविद्यालय सिरमौर रीवा में आज वृहद वृक्षारोपण एक पेड़ मा के नाम और नशा मुक्ति नशा मुक्त युवा कार्यक्रम संपन्न हुआ । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ओपी द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता थाना प्रभारी दीपक तिवारी थाना प्रभारी सिरमौर द्वारा की गई, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ एसके दुबे अशोक द्विवेदी उपस्थिति रहे । अतिथियों का स्वागत राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ प्रवीर दुबे द्वारा किया गया । मंच का संचालन डा.के.के.त्रिपाठी द्वारा किया महाविद्यालय प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम उद्देश्य के साथ आम पीपल कटहर जामुन नीम आदि के पौंधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम मे महाविद्यालय के प्रो.मनीषा शुकला प्रो.रमेश विश्व कर्मा विपुल मिश्रा गुजन साक्षी पाडेय रेखा सोनी डा.अनुपमा पाडेय मधू शुकला समस्त छात्र छात्राऐ उपस्थिति रहे ।

पॉलिथीन उपयोग करते पकड़े गये दुकानदार,6 हजार का लगा जुर्माना

रीवा संवाददाता। स्वच्छता टीम द्वारा वार्ड क्रमांक 18 के कोर्ट परिसर से लेकर शिल्पी प्लाजा एवं चक्रधर सिटी मार्केट क्षेत्र में चालानी कार्रवाई की गई। इस दौरान दुकानों के बाहर गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित प्लास्टिक पॉलिथीन का उपयोग करने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई करते हुए कुल 6000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। स्वच्छता टीम द्वारा दुकानदारों को समझाइश दी गई कि वे अपनी दुकानों के बाहर गंदगी न फैलाएं और कचरे के निस्तारण के लिए डस्टबिन का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि प्रतिबंधित प्लास्टिक पॉलिथीन का उपयोग पूरी तरह वर्जित है और भविष्य में पुनरावृत्ति की स्थिति में सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान स्वच्छता निरीक्षक, वार्ड दरोगा, अतिक्रमण टीम और आईईसी टीम मौजूद रही।

प्रसन्नता निगम मुख्यालय में ढोल नगाड़ों के साथ सफाई मित्रों ने मनाया जश्न

स्वच्छता सर्वेक्षण में रीवा को मिला 5-स्टार

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा ने इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण में 5-स्टार रेटिंग हासिल की है। इसके साथ ही देशभर में 50,000 से 3 लाख की आबादी वाले स्वच्छ शहरों की श्रेणी में रीवा को पांचवां स्थान मिला है। इस उपलब्धि पर नगर निगम मुख्यालय में मंगलवार को ढोल-नगाड़ों के साथ सफाई मित्रों ने मिलकर जश्न मनाया । कार्यालय परिसर में निगम आयुक्त एवं सफाई मित्रों ने एक-दूसरे का फूल-मालाओं से स्वागत किया। सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर इस सफलता की खुशी साझा की। इस अवसर पर सफाई मित्रों ने आयुक्त से कहा कि आपके नेतृत्व में ही हमने यह मुकाम हासिल किया है। यह हमारे शहर के लिए गर्व का विषय है। आगे भी आपके मार्गदर्शन में हम रीवा को स्वच्छता के क्षेत्र में देश में नंबर 1 बनाने का प्रयास करेंगे। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने सभी सफाई मित्रों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि आप सभी के अथक परिश्रम का परिणाम है। इसके असली हकदार आप सभी सफाई मित्र ही हैं। हमें आगे भी इसी तरह समर्पण और लगन के साथ कार्य करते हुए संकल्प लेना होगा कि रीवा को स्वच्छता में देश में नंबर 1 बनाएंगे। निगम की टीम और रीवावासियों के सामूहिक प्रयास से ही यह संभव हुआ है आप सभी इसके लिए धन्यवाद के असली पात्र हैं। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष सीताराम चमकेल, संघ संरक्षक साधूराम, कोषाध्यक्ष प्रकाश सिगोते, वार्ड दरोगा सुरेन्द्र समुन्द्रे, विनोद सिगोते,हरिशंकर, विनोद बैरिया, अंकित समुन्द्रे, राजकुमार प्रकाश एवं समस्त सफाई मित्र व निगम के कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौपाटी को व्यवस्थित करने व्यवसायियों के साथ निगमायुक्त ने ली बैठक

रीवा, नगर संवाददाता।

निगम सभागार में निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने कोठी कंपाउंड स्थित चौपाटी के व्यवसायियों के साथ बैठक की। बैठक का उद्देश्य चौपाटी को सुव्यवस्थित करने के लिए निगम द्वारा तैयार की गई योजना पर चर्चा करना था। इस योजना के तहत वहां कमर्शियल भवन, फूड ज़ोन और पार्किंग की व्यवस्था प्रस्तावित है। इसी उद्देश्य से वहां व्यवसाय कर रहे चौपाटी व्यवसायियों से सार्थक संवाद किया गया। बैठक में व्यवसायियों से योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई और उनके सुझावों और शंकाओं को गम्भीरता से सुना गया। आयुक्त डॉ. सोनवणे ने आश्वस्त किया कि वर्तमान में यहां व्यवसाय कर रहे सभी व्यवसायियों को व्यवस्थित एवं नियमबद्ध तरीके से दुकानें उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस योजना में व्यवसायियों के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है ताकि किसी का रोजगार प्रभावित न हो। निगमायुक्त ने व्यवसायियों से अपील की कि सभी व्यवसायी स्वच्छता, फूड रजिस्ट्रेशन एवं अन्य सभी नियामकीय प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर निगम द्वारा प्रदत्त सुविधाएं व्यवस्थित रूप से प्रदान की जाएंगी। व्यवसायियों ने निगम की इस पहल का स्वागत करते हुए सहमति जताई। इस दौरान कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह, उपायुक्त एम एस सिद्दकी, सहायक आयुक्त रामनरेश तिवारी, सहायक यंत्री एसके गर्ग, अभिनव चतुर्वेदी, सहायक राजस्व अधिकारी रावेंद्र सिंह, नीलेश चतुर्वेदी एवं चौपाटी के व्यवसायी उपस्थित रहे।

संपादकीय

लश्कर का मुखौटा टीआरएफ

अमरीकी विदेश मंत्रालय ने बीती 2 जुलाई की आंतरिक बैठक में तय कर लिया था कि 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन घोषित करना है। उसके आतंकियों को 'वैश्विक आतंकवादी' घोषित करना है तथा टीआरएफ पर चौतरफा पाबंदियां चस्पा करनी हैं। यह बुनियादी फैसला भारत सरकार के साथ साझा किया गया था। अंततः इस निर्णय की घोषणा 17 जुलाई को कर दी गई। पहलगाम नरसंहार के तीन महीने बाद अमरीका ने यह निर्णय लिया है तथा उस आतंकी हमले की घोर निंदा भी की है। बहरहाल अमरीका ने साबित कर दिया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वह भारत के साथ खड़ा है और उसका सहयोगी है। अमरीका कई संदर्भों में दोगला हो सकता है, झूठ भी परोस सकता है, उसकी कूटनीति हो सकती है, लेकिन बुनियादी तौर पर वह भारत-विरोधी नहीं है। भारत उसका रणनीतिक साझेदार है, इस सच को नकार नहीं सकते। टीआरएफ पाकिस्तान में सक्रिय 'लश्कर-ए-तैयबा' का मुखौटा संगठन है। चूंकि लश्कर पर भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाए गए थे, लिहाजा उसके कारण फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की ग्रे लिस्ट में पाकिस्तान को डाला गया था। तब नए नाम से यह आतंकी संगठन बनाया गया। अब लश्कर, जैश-ए-मुहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन, हरकत-उल-मुजाहिदीन, जमात-उद-दावा, मिली मुस्लिम लीग, तहरीक-ए-तालिबान और अल बद्र आदि आतंकी संगठनों की जमात में टीआरएफ भी आ गया है। अमरीका पाकिस्तान के ऐसे 13 आतंकी संगठनों पर पाबंदी चस्पा कर चुका है। हाफिज सईद, मसूद अजहर, सैयद सलाहुद्दीन आदि आतंकियों की तरह टीआरएफ के आतंकियों पर भी पाबंदियां थोप दी गई हैं। टीआरएफ ऐसा संगठन रहा है, जिसके आतंकियों ने 5 अगस्त, 2019, संसद में अनुच्छेद 370 और 35-ए को निरस्त करने वाले दिन, के बाद जम्मू-कश्मीर में करीब 95 फीसदी लक्षित हत्याएं की हैं। शुरू में समझा गया था कि यह सोशल मीडिया पर सक्रिय कोई संगठन है, लेकिन सेना-सुरक्षा बलों ने जिन आतंकियों को मुठभेड़ में ढेर किया अथवा पूछताछ के दौरान जो खुलासे सामने आए, उनसे साबित होता गया कि यह लश्कर का मुखौटा संगठन है और उसी की शैली पर हमले करता है। पाकिस्तान टीआरएफ को कश्मीर के स्थानीय लोगों का संगठन बताकर खुद को पाक-साफ साबित करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसकी फितरत उसे बेनकाब कर देती है। पाकिस्तान की हुकूमत ने उन आतंकी अड्डों की मरम्मत के लिए 100 करोड़ रुपए तय किए हैं, जिन्हें 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत की वायुसेना ने 'मिट्टी-मलबा' कर दिया था। पंजाब सूबे में लश्कर और जैश की 'आतंकी फैक्टरियों' को 60 करोड़ रुपए और पीओके में आतंकी लॉन्च पैड और मदरसों के लिए 40 करोड़ रुपए दिए गए हैं। यदि आतंकवाद को बढ़ावा देने अथवा आतंकी बुनियादी ढांचे को फंड मुहैया कराने के सबूत सही निकलते हैं, तो पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय फंडिंग बंद हो जाएगी। बहरहाल टीआरएफ पर पाबंदी लगने से अब कोई उसे वित्तीय मदद या अनुदान नहीं दे सकेगा। उसका कोई भी सदस्य अमरीका में नहीं घुस पाएगा। उन्हें अमरीका का वीजा नहीं दिया जाएगा, बल्कि उनके जिन देशों के पासपोर्ट हैं, उन्हें रद्द करने का आग्रह किया जाएगा। अब भारत इसे संयुक्त राष्ट्र से भी 'आतंकी संगठन' घोषित कराने का प्रयास करेगा।

मुंबई लोकल ट्रेन बम धमाकों का फैसला और उठते सवाल

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

11 जुलाई 2006 को मुंबई की भीड़भरी लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम धमाकों ने समूचे देश को झकझोर कर रख दिया था। पीडित परिवारों के साथ-साथ जन-जन को आहत किया था। 7 जगहों पर हुए इन धमाकों में 187 निर्दोष लोगों की जान गई और 824 से ज्यादा लोग घायल हुए। यह भारत के सबसे बड़े आतंकी हमलों में से एक था। लेकिन इन बम धमाके को लेकर सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया, कोर्ट ने विशेष मकोका अदालत की ओर से 12 अभियुक्तों को दी गई सजा को गैरकानूनी करार दिया। इन सभी आरोपियों का बरी हो जाना सवाल के साथ-साथ चिन्ता भी पैदा करता है। इसीलिये करीब 19 साल बाद आए अदालत के इस फैसले को लेकर न केवल कानूनी दायरे में, बल्कि सामाजिक व नैतिक दृष्टिकोण से भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। क्योंकि बॉम्बे हाई कोर्ट के इस फैसले के बाद सवाल वहीं घूमकर आ जाता है कि इतने बड़े नुकसान का दोषी कौन है?

लम्बी न्यायिक प्रक्रिया एवं जांच के बाद 2015 में मुंबई की विशेष मकोका अदालत ने 12 अभियुक्तों को दोषी करार दिया, जिसमें से 5 को फांसी और 7 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। यह फैसला लगभग 8 वर्षों की सुनवाई, 250 से ज्यादा गवाहों और हजारों पन्नों की गवाही के बाद आया। लेकिन 2023 और फिर 2025 में कुछ सिविल सोसाइटी संगठनों, मानवाधिकार समूहों और कुछ कानूनी विशेषज्ञों ने फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कुछ दोषियों को पर्याप्त सबूतों के बिना फंसाया गया, पुलिस की जांच पक्षपातपूर्ण रही और कई जगह कानून के दायरे का अतिक्रमण किया गया। इसी को आधार बनाकर हाईकोर्ट में जिस तरह से एक-एक करके सारे सबूतों की धज्जियां उड़ायी, उससे पूरे सिस्टम को लेकर संदेह उठता है। जब इतने अहम मामले में इतनी लचर एवं लापरवाहीपूर्ण जांच हुई, तो फिर दूसरे तमाम केस में क्या होता होगा? गवाहों के बयान दर्ज करने से लेकर सबूत जुटाने तक, हर जगह लापरवाही एवं कौताही बरती गई।

कानून की दृष्टि में अपराध केवल घटना नहीं, उस घटना के पीछे की मंशा, सबूतों की पुष्टि, प्रक्रिया की शुद्धता और निष्पक्षता का भी मूल्यांकन करता है। दोषी को सजा मिलनी चाहिए-यह एक सार्वभौमिक सिद्धांत है, लेकिन निर्दोष को दंड न मिले-यह उससे भी अधिक महत्वपूर्ण नैतिक सिद्धांत है। भारतीय दंड संहिता, मकोका और गैरकानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) जैसे सख्त कानून आतंकवाद से निपटने के लिए बनाए गए, लेकिन इनका उपयोग अक्सर राजनीतिक प्रभाव, मीडिया ट्रायल, या जनभावनाओं को शांत करने के लिए किया गया है। ट्रेनों में हुए सीरियल बम धमाकों के मामले में अनेक ज्वलंत सवाल खड़े हुए हैं कि क्या सभी दोषियों को वास्तव में पर्याप्त प्रमाणों के आधार पर दोषी ठहराया गया है? यदि नहीं, तो यह न्याय व्यवस्था के लिए एक

गंभीर प्रश्न है। क्या पुलिस या जांच एजेंसियों ने निष्पक्ष जांच की? कई बार जांच एजेंसियों पर 'नतीजे पहले, जांच बाद में' का आरोप लगा है। क्या विशेष अदालतों का गठन निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करता है या त्वरित दंड की नीति अपनाता है? क्या कानून केवल सख्ती का पर्याय बन गया है या उसमें मानवीय संवेदना का स्थान है? क्या मीडिया ट्रायल ने वास्तविक न्याय को प्रभावित किया? इन प्रश्नों के उत्तर मिलना ही चाहिए।

देश के सामने आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की चुनौती है, तो वहीं न्याय की नैतिकता बनाए रखने की भी जिम्मेदारी है। अगर कानून का इस्तेमाल अन्याय के लिए किया गया, तो आतंकवाद के खिलाफ जंग की नैतिकता ही सवालों में पड़ जाएगी। न्याय केवल प्रतिशोध नहीं, बल्कि नैतिक और विधिसम्मत संतुलन का नाम है। जो निर्दोष है, उसे दोषमुक्त करना और जो दोषी है, उसे यथोचित दंड देना- यही कानून का आदर्श उद्देश्य है। मुंबई बम धमाके जैसी वीभत्स घटनाएं देश के लिए चुनौती हैं, लेकिन इन चुनौतियों से निपटने के नाम पर अगर हम न्याय और कानून के मूलभूत सिद्धांतों से समझौता करते हैं, तो हम एक असुरक्षित और अन्यायपूर्ण समाज की नींव रखेंगे। आवश्यक है कि न्याय केवल न्यायालयों की प्रक्रिया न रहे, वह जनविश्वास का प्रतीक बने।

एक बड़ा सवाल है कि न्याय व्यवस्था पर भरोसा कैसे बना रहे? इसके लिये जरूरी है कि जांच प्रक्रिया पारदर्शी हो, आरोपों की पुष्टि डिजिटल और वैज्ञानिक सबूतों से हो। अदालतें किसी दबाव, राजनीतिक प्रभाव या जनभावना से परे निर्णय लें। न्याय में देरी भी अन्याय है, लेकिन जल्दबाजी में न्याय भी गलत निर्णय की आशंका बढ़ाता है। सभी मामलों में उच्च न्यायालय व सर्वोच्च न्यायालय में स्वतंत्र और निष्पक्ष पुनरावलोकन की व्यवस्था रहे। निचली अदालते हो या सर्वोच्च अदालते- न्यायिक फैसलों का बदलना न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता एवं निष्पक्षता के लिये गंभीर चुनौती है। ऐसे अनेक मामले हैं जिनमें निचली अदालतों में दिये गये मौत की सजा को ऊपरी अदालतों ने बदल दिया। जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज होते हुए बार-बार देखे गये हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक आरोपी की मौत की सजा को खारिज करते हुए कहा कि 'जब दांव पर इंसानी जिंदगी लगी हो और उसकी कीमत खून हो, तो मामले को पूरी ईमानदारी से देखा जाना चाहिए।' दुर्भाग्य से मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए सीरियल बम ब्लास्ट की जांच में इस भावना का सही से पालन नहीं किया गया। इस मामले में सभी आरोपियों का बरी हो जाना न केवल न्याय प्रक्रिया पर बल्कि जांच एजेंसियों पर सवाल पैदा करता है। प्रश्न है कि अगर 12 लोग निर्दोष थे तो इतने बरसों तक आतंकी होने का दाग लिए जिल्लत की जिंदगी क्यों जीते रहे? अगर ये दोषी थे तो जांच इतनी कमजोर क्यों हुई? यह केस निचली अदालतों के कामकाज के तरीकों पर भी बड़ा सवालिया निशान है। सबूतों को लेकर इतने संदेह थे, लेकिन निचली अदालत ने उन पर गौर नहीं किया। यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी न्याय प्रक्रिया की विसंगति ही है।

यह पहला मामला नहीं, जहां जांच में खामियों, गवाही में कमी और कमजोर सबूतों के चलते ऊपर की अदालतों में केस खारिज हो गया हो। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पिछले हफ्ते तीन लोगों की मौत की सजा रद्द करते हुए उन्हें हत्या के आरोपों से बरी कर दिया था। पिछले ही हफ्ते सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने भी 2011 में हुई दोहरी हत्या और रेप के आरोपी को छोड़ने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने जांच में गंभीर कमियां गिनाई थीं। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि झूठे मुकदमों की वजह से जिन्हें लंबा समय जेल में बिताना पड़ा है, उन्हें मुआवजा देने के लिए कानून बनाने पर विचार करना चाहिए। अब मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट केस को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। महाराष्ट्र सरकार लोकल ट्रेन बम धमाके में आरोपियों को निर्दोष छोड़ने के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुए अपील दायर की है। देश उम्मीद करता है कि इस बार तथ्यों को सही ढंग से रखा जाएगा। यह केवल एक केस नहीं, न्याय व्यवस्था पर आम लोगों के यकीन का मामला है।

भारत में न्याय प्रणाली पर आम धारणा है कि पुलिस और अदालतें लोगों की जिंदगी को तबाह कर देती हैं, वर्षों लम्बी न्याय प्रक्रिया झेलने के बाद भी लोगों को समुचित न्याय नहीं मिल पाता है। न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है, न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी आदर्श न्याय व्यवस्था में आम व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है। न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिये बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये।

चुनाव आयोग और आधार कार्ड

आदित्य कुमार चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय की यह सलाह मानने से इन्कार कर दिया है कि बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण व सत्यापन में आधार कार्ड, राशन कार्ड व वोटर पहचान पत्र को भी एक पैमाना माना जाये। आयोग ने न्यायालय के निर्देशानुसार 21 जुलाई को एक शपथ पत्र दाखिल कर यह कहा है कि वह इन तीनों दस्तावेजों में से किसी एक को भी जायज मतदाता होने का आधार नहीं मान सकता है क्योंकि इन तीनों में से कोई भी दस्तावेज या प्रपत्र किसी मतदाता के भारतीय नागरिक होने का प्रमाण नहीं है। चुनाव आयोग ने कहा है कि आधार कार्ड भारतीय नागरिकता का प्रमाण नहीं है हालांकि यह नागरिकों के अन्य दस्तावेज तैयार कराने में काम आता है। चुनाव आयोग ने विगत दिनों 11 ऐसे प्रपत्रों की सूची जारी की थी जिन्हें दिखाने पर ही किसी भी मतदाता के जायज होने का सबूत मिलता। इन 11 प्रपत्रों में उपरोक्त तीन प्रपत्र शामिल नहीं थे। इसके बाद बिहार की राजनीति में भूचाल जैसा आ गया था और सभी विपक्षी राजनैतिक दल चुनाव आयोग के इस फैसले की आलोचना कर रहे थे। इसके विरोध में बहुत से भाजपा विरोधी राजनैतिक दलों व नेताओं ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिकाएं भी दायर की थीं। उन याचिकाओं की सुनवाई करते हुए ही सर्वोच्च न्यायालय ने आयोग को सलाह दी थी कि वह आधार कार्ड, राशन कार्ड व वोटर पहचान पत्र को भी 11 दस्तावेजों के साथ जोड़ सकता है।

ऐसा माना जा रहा है कि चुनाव आयोग मतदाता सूचियों का जो गहन पुनरीक्षण कर रहा है उसमें सभी फर्जी मतदाताओं के बाहर होने का रास्ता खुलता है। परन्तु इसके साथ ही कुछ ऐसे मतदाता भी हैं जिनके जायज होने के बावजूद सूची से बाहर होने का दरवाजा भी खुल सकता है क्योंकि चुनाव आयोग 1987 से 2003 के बीच पैदा हुए नये मतदाताओं का जन्म प्रमाणपत्र भी मांग रहा है। चुनाव आयोग ने साथ ही यह भी घोषणा की थी कि जिन मतदाताओं के नाम 2003 की पुनरीक्षण सूची में थे उन्हें चिन्ता करने की कोई जरूरत नहीं है मगर आयोग द्वारा जारी पुनरीक्षण के लिए जारी फार्म को उन्हें भी भरना होगा। आयोग ने अपने शपथ पत्र में कहा है कि यह उसका संवैधानिक दायित्व है कि मतदाता आवश्यक रूप से भारत का नागरिक हो मगर मतदाता सूची में उसका नाम न आने से उसकी नागरिकता का अधिकार छिनता भी नहीं है।

भारत में नागरिकता की पहचान का कार्य गृह मन्त्रालय करता है। यह कार्य चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। विगत 10 जुलाई को सर्वोच्च न्यायालय ने विपक्षी दलों द्वारा दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए कहा था कि वह बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के काम को रोक नहीं रहा है बल्कि आधार कार्ड, राशन कार्ड व वोटर पहचान पत्र को भी शामिल करने का सुझाव दे रहा है। जबकि विपक्षी दल मांग कर रहे थे कि पुनरीक्षण के काम पर तुरन्त रोक लगाई जाये। चुनाव आयोग का कहना है कि जहां तक राशन कार्ड का सवाल है तो इनके लाखों की संख्या में बोगस या फर्जी तरीके से जारी होने की बात स्वयं सरकारों की तरफ से कही गई है। इस बारे में आयोग ने विगत 7 मार्च को केन्द्र सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति का हवाला दिया है जिसमें कहा गया है कि देश में लाखों की संख्या में बोगस राशन कार्ड मौजूद हैं। अतः राशन कार्ड को भी जायज नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं माना जा सकता है और जहां तक वोटर पहचान पत्र का सवाल है तो वे तब जारी परिपाठी के अनुसार ही बनाये जाते हैं और यह वर्तमान में जारी सूची के ही अंग हैं जबकि इनके सत्यापन का कार्य अब जारी है। अतः इन्हें भी प्रमाण नहीं माना जा सकता।

पिछले बीस साल से बिहार में मतदाता सूचियों के सत्यापन या पुनरीक्षण का काम नहीं हुआ है। अतः यह कार्य करना अब बहुत जरूरी है। आयोग के अनुसार उसने जो 11 प्रपत्रों की सूची जारी की है वह कोई बहुत बड़ी मुसीबत की चीज नहीं है बल्कि केवल सांकेतिक है जिससे किसी भी मतदाता के जायज होने का सबूत मिल सके। आयोग के आदेश के अनुसार बिहार के सभी 7.8 करोड़ मतदाताओं को नया फार्म भरना होगा जिससे सभी की पहचान हो सके। इनमें से केवल उन्हीं मतदाताओं को 11 प्रपत्रों में से एक देने के लिए कहा गया है जिनके नाम 2023 के बाद मतदाता सूची में जुड़े हैं। गौर से देखा जाये तो चुनाव आयोग की यह कसरत व्यर्थ भी नहीं है क्योंकि देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसी शिकायतें मिलती रहती हैं कि मतदाता सूचियों में फर्जी नामों को रखा गया है और एक मतदाता के अलग-अलग पतों से दो-दो वोटर पहचान पत्र भी हैं। चुनाव आयोग के नये निर्देशों के अनुसार यह जिम्मेदारी अब नागरिक पर आ गई है कि वह अपनी नागरिकता साबित करे। चुनाव आयोग के अनुसार इसमें कोई गलत बात नहीं है क्योंकि भारत में जन्मे लोगों की नागरिकता का जहां तक सवाल है तो उन्हें ही सिद्ध करना होगा कि उनका जन्म भारत में हुआ है और इसके लिए उन्हें जन्म तिथि व स्थान का प्रमाण देना होगा जिससे उनका नाम मतदाता सूची में जुड़ सके। यह उपबन्ध ऐसे नये मतदाताओं पर ज्यादा लागू होता है जो हाल ही में 18 वर्ष के हुए हैं। कुल मिलाकर चुनाव आयोग की कवायद की आंख मींच कर आलोचना भी नहीं की जा सकती है। मगर यह भी सत्य है कि निर्वाचन आयोग बिहार में मतदाता सूची का पुनरीक्षण जल्दबाजी में करा रहा है।

छोटी सी कमेटी का महत्त्व

संतोष उत्सुक

पिछले दिनों हमारे शहर में, राजनीति की सामाजिक प्रेरणा से ऐतिहासिक नायकों की मूर्तियां स्थापित की गई। यह सब एक विशाल सक्रिय कमेटी जिसमें हर रंग के लोग शामिल रहे, द्वारा लिए गए महत्त्वपूर्ण निर्णय के आधार पर हुआ। इस बेहद ज़रूरी काम के बाद, शहर के बहुत पुराने बाग़ के उद्धार के लिए कार्यकारी अधिकारी से सम्पर्क किया गया।

व्यंग्य

पिछले कई सालों में म्युनिसिपल कमेटी में जितने भी कार्यकारी अधिकारी आए उन्हें ससम्मान बाग़ में लाया गया है। उन्हें दिखाया कि बाग़ की हालत ख़राब है। सभी ने आश्वासन देते हुए खट्टे मीठे वायदे किए। एक बेचारे अधिकारी तो पूरे समय फोन ही सुनते रहे। अब यह नए जनाब आए हैं जिनका जन्म इसी शहर में हुआ है। बताते हैं अपनी जन्मभूमि से सचमुच प्यार करते हैं और भावनात्मक रूप से हमेशा जुड़े रहते हैं। कुछ वरिष्ठ नागरिकों के आग्रह पर अपना कीमती वक्त निकालकर यहां तशरीफ़ लाए हैं। साथ में इनके मनपसंद पार्षद हैं जिनकी बात यह मानते हैं।

ऐतिहासिक बाग़ में कचरा यहां वहां संभाल कर रखा हुआ है। रास्ते टूटे पड़े हैं। कुत्तों को न लाने और घुमाने वाला बोर्ड गुम है तभी तो आधा दर्जन कुत्ते घूम रहे हैं। क्यारियों में फूल उगाने का समय नहीं मिला। तालाब की मछलियां मर रही हैं। सूखे पेड़ खुद ही टूट कर गिर रहे हैं। वरिष्ठ नागरिक कक्ष में ताला जड़ा हुआ है। इ टॉयलेट की लाश खड़ी है। बातचीत के दौरान समझदार पार्षद ने अपना बहुमूल्य सुझाव दिया, एक छोटी सी कमेटी बनाते हैं, सरजी, अच्छा रहेगा। एक वरिष्ठ नागरिक ने पूछा उससे क्या होगा। उन्होंने समझाया कि कमेटी ज्यादा बड़ी नहीं होगी, क्यूंकि बड़ी कमेटी में ज्यादा सदस्य होते हैं जब मीटिंग करो तो सभी के पास समय नहीं होता, बार बार बुलाने पर भी कम बंदे आते हैं लेकिन कहते हैं खबर में नाम ज़रूर डाल देना। इसलिए एक छोटी सी कमेटी बना लेते हैं जी।

कमेटी छोटी होगी तो मीटिंग आसान होगी। कमेटी बनाने से कई अच्छे सुझाव मिल जाते हैं जी, काम अच्छे तरीके से हो जाता है। कोई पंगा नहीं रहता सरजी। हमने पूछा तो बताया कि उसमें एक अधिकारी होगा, दो तीन पार्षद, शासक पार्टी का एक बंदा और एक लोकल महिला नेता।

एक महीने बाद वरिष्ठ नागरिकों ने जानना चाहा, क्या कमेटी बन गई है तो सही जवाब मिला, सरकारी कमेटी बनाने बारे तुम क्या जानो आम आदमी, यह संजीदा लोकतान्त्रिक कार्य होता है। उनसे वैसे ही जानना चाहा कि क्या कूड़ा कचरा साफ़ करवाने और उठवाने के किए भी किसी की स्वीकृति की ज़रूरत है। दो चार मजदूर ही तो चाहिए। वे बोले सर, हमारे यहां किसी भी काम में, कोई न कोई, किसी किसी न किस्म का, नई तरह का पंगा कर देता है सरजी। इसलिए काम होने से पहले सबसे ज़रूरी काम है कमेटी बनाकर सलाह लेना। इससे समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है कि देखो कबाड़ उठाने के लिए भी कमेटी बना रहे हैं। कमेटी के फैसलों पर कोई तर्जनी तो क्या चिचली उंगली भी नहीं उठा सकता जी।

मिलजुल कर काम करना हमारी समृद्ध कार्यसंस्कृति की स्थापित परम्परा है जी। यह सुझाव सभी को मानना ही पड़ा। छोटी सी कमेटी का निर्माण बहुत ज़रूरी है जी। कमेटी में कौन कौन होगा, इस बारे गहन विचार विमर्श जारी है सरजी।

ऑनलाइन भुगतान के मामले में भारत के यूपीआई ने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ा

प्रह्लाद सबनानी

हाल ही के समय में भारत, विभिन्न क्षेत्रों में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। कुछ क्षेत्रों में तो अब भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने बैंकिंग व्यवहारों के मामले में तो जैसे क्रांति ही ला दी है। अभी हाल ही में आर्थिक क्षेत्र में बैंकिंग व्यवहारों के मामले में भारत के युनिफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने अमेरिका के 67 वर्ष पुराने वीजा एवं मास्टर कार्ड के पेमेंट सिस्टम को प्रतिदिन होने वाले आर्थिक व्यवहारों की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक स्तर पर अब भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल टाइम पेमेंट नेटवर्क बन गया है।

भारत में वर्ष 2016 के पहले ऑनलाइन पेमेंट का मतलब होता था केवल वीजा और मास्टर कार्ड। वीजा और मास्टर कार्ड को चलाने वाली अमेरिका की ये दोनों कंपनिया पूरी दुनिया में ऑनलाइन पेमेंट का एकाधिकार रखती थीं। वीजा की शुरुआत, अमेरिका में वर्ष 1958 में हुई थी और धीमे धीमे यह कंपनी 200 से अधिक देशों में फैल गई और ऑनलाइन भुगतान के मामले में पूरे विश्व पर अपना एकाधिकार जमा लिया। वैश्विक स्तर पर इस कम्पनी को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत ने वर्ष 2016 में अपना पेमेंट सिस्टम, यूपीआई के रूप में, विकसित किया और वर्ष 2025 आते आते भारत का यूपीआई सिस्टम आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार चुटकी बजाते ही हो जाते है। आज सब्जी वाले, चाय वाले, सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक एवं छोटी छोटी राशि के आर्थिक व्यवहार करने वाले नागरिकों के लिए यूपीआई सिस्टम ने ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार करने को बहुत आसान बना दिया है। आज भारत के यूपीआई सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक व्यवहार (1800 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रति माह) हो रहे हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वीजा कार्ड से माध्यम से प्रतिदिन 63.9 करोड़ व्यवहार हो रहे हैं। इस प्रकार, भारत के यूपीआई ने दैनिक व्यवहारों के मामले में 67 वर्ष पुराने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ दिया है। भारत में केंद्र सरकार की यह सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। भारत अब इस मामले में पूरी दुनिया का लीडर बन गया है। भारत ने यह उपलब्धि केवल 9 वर्षों में ही प्राप्त की है। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम की अत्यधिक प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह नई तकनीकी का चमत्कार है एवं यह सिस्टम अत्यधिक प्रभावशाली है। भारत का यूपीआई सिस्टम भारत को वैश्विक बैंकिंग नक्शे पर एक बहुत बड़ी शक्ति बना सकता है।

भारत में यूपीआई की सफलता की नींव दरअसल केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई कई आर्थिक योजनाओं के माध्यम से पड़ी है। समस्त नागरिकों के आधार कार्ड बनाने के पश्चात जब आधार कार्ड को नागरिकों के बैंक खातों से जोड़ा गया और केंद्र सरकार द्वारा देश के गरीब वर्ग की सहायता के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि को सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा किया जाने लगा तब एक सुदृढ्ढ पेमेंट सिस्टम की आवश्यकता महसूस हुई और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई का जन्म वर्ष 2016 में हुआ। यूपीआई को आधार कार्ड एवं प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत बैंकों में खोले गए खातों से जोड़ दिया गया। नागरिकों के मोबाइल क्रमांक और आधार कार्ड को बैंक खातों से जोड़कर यूपीआई सिस्टम के माध्यम से आर्थिक एवं लेन-देन व्यवहारों को आसान बना दिया गया। भारत में आज लगभग 80 प्रतिशत युवा एवं बुजुर्ग जनसंख्या का विभिन्न बैंकों के खाता खोला जा चुका है। यूपीआई के माध्यम से केवल कुछ ही मिनटों में एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में राशि का अंतरण किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई के आने के बाद तो अब भारत के नागरिक एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड को भी भूलने लगे हैं।

भारत से बाहर अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक भी अपनी बचत को यूपीआई के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ऑनलाइन राशि का अंतरण चंद मिनटों में कर सकते हैं। पूर्व में, बैंकिंग चेनल के माध्यम से एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में राशि का अंतरण करने में 2 से 3 दिन का समय लग जाता था तथा विदेशी बैकों द्वारा इस प्रकार के अंतरण राशि पर खर्च भी वसूला जाता है। अब यूपीआई के माध्यम से कुछ ही मिनटों में राशि एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में अंतरित हो जाती है। इससे भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण भी हो रहा है। विश्व के अन्य देशों में पढ़ाई के लिए गए छात्रों को अपने खर्च चलाने एवं विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में फीस की राशि यूपीआई सिस्टम से जमा कराने में बहुत आसानी होगी। जिस भी देश में भारतीय मूल में नागरिकों की संख्या अधिक है उन देशों में भारत के यूपीआई सिस्टम को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आज 13,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा प्रतिवर्ष भारत में भेजी जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर भारत के यूपीआई सिस्टम की स्वीकार्यता बढ़ने से अमेरिकी डॉलर पर भारत की निर्भरता भी कम होगी, इससे भारतीय रुपए की मांग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी और डीडोलराईजेशन की प्रक्रिया तेज होगी।

भारत ने यूपीआई के प्रतिदिन होने वाले व्यवहारों की संख्या के मामले में आज अमेरिका, चीन एवं पूरे यूरोप को पीछे छोड़ दिया है। वर्तमान में भारत के यूपीआई सिस्टम का विश्व के 7 देशों यथा यूनाइटेड अरब अमीरात, फ्रान्स, ओमान, मारीशस, श्रीलंका, भूटान एवं नेपाल में उपयोग हो रहा है। इन देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक यूपीआई के माध्यम से सीधे ही भारत के साथ आर्थिक व्यवहार कर रहे हैं। दक्षिणपूर्वीय देशों यथा मलेशिया, थाइलैंड, फिलिपींस, वियतमान, सिंगापुर, कम्बोडिया, दक्षिण कोरिया, जापान, ताईवान एवं हांगकांग आदि भी भारत के यूपीआई सिस्टम के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं।

यूनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीयन देशों ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू करने की इच्छा जताई है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस एवं नामीबिया यात्रा के दौरान इन दोनों देशों ने भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में शुरू करने के लिए भारत से निवेदन किया है। पूरे विश्व में अब कई देशों का विश्वास भारत के यूपीआई सिस्टम पर बढ़ रहा है और यदि ये देश भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू कर देते हैं तो इससे भारत में विदेशी निवेश की राशि में भी तेज गति से वृद्धि होने की सम्भावना बढ़ जाएगी।

एक साथ उठीं चार अर्थियां, गांव में मातम, हर आंख हुई नम

शीतला माता तिराहे पर सड़क दुर्घटना में हुई चार कांवड़ियों की मौत

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

घाटीगांव के सिमरिया गांव में लोग सुबह होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे ताकि कावंड़ लेने गए उनके परिजन पैदल लेकर आने वाले जल को भोलेनाथ पर चढ़ा सकें, लेकिन बुधवार को गांव का नजारा ही अलग था। सड़क दुर्घटना में मारे गए युवकों के शव दोपहर गांव में पहुंचे तो लोगों की आंखों से आंसू बह निकले। महिलाओं का रुदन पूरे गांव में सुनाई दे रहा था। चार अर्थियां जब एक साथ गांव से उठीं तो चीख पुकार मच गई। डयूटी में तैनात पुलिस कर्मी भी गमगीन माहौल को देखकर भावुक हो गए।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात को झांसी रोड थाना क्षेत्र स्थित शीतला माता मंदिर तिराहे पर अनियंत्रित गति से दौड़ रही कार के टायर फट जाने से उसकी चपेट में आकर दिनेश बंजारा, वकीला बंजारा, रमेश बंजारा और धर्मेन्द्र बंजारा की मौत हो गई थी। उक्त सभी मृतक भदावना से कावंड़ भरकर अपने गांव सिमरिया सोडना का चक लौट रहे थे। कार कावंड़ियों को रौंदने के बाद पलट गई थी। दुर्घटना में गोविंद गिरी बाबा और प्रहलाद गंभीर घायल हो गए थे, जिनका चिकित्सालय में उपचार किया जा रहा है। बुधवार को शव विच्छेदन होने के बाद परिजन शव लेकर गांव लौटे। गांव में शवों को देखकर लोग मायूस हो गए। मृतकों के परिजनों को पड़ोसी ढांढस बंधा रहे थे, लेकिन उनके सब्र का भी बांध टूट गया और उनको सात्वनां देने के दौरान उनकी भी आंखों सें आंसू निकल पड़े। जब सिमरिया गांव से एक साथ चार युवकों की अर्थियां उठीं तो गांव में रुदन मच गया। दोपहर को गांव से चारों शव एक साथ मुक्तिधाम पहुंचे इस दौरान पुलिस, जिला प्रशासन के अधिकारी के अलावा जनप्रतिनिधी भी मौजूद थे। चारों शवों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया।

सिलावट आज मृतकों के परिजनों से मिलेंगे

प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट गुरुवार 24 जुलाई को ग्वालियर प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वह सड़क दुर्घटना में मृत हुए कांवड़ियों के परिजनों से मिलने भी जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री सिलावट गुरुवार प्रात 7:45 बजे ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर पहुंचेंगे और स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होने के पश्चात प्रातः 11:15 बजे सड़क मार्ग द्वारा इंदौर के लिये प्रस्थान करेंगे।

शव विच्छेदन में विलंब होने पर हंगामा

शव विच्छेदन गृह पर देर रात से जमे मृतकों के परिजनों ने सुबह के समय हंगामा कर दिया। उनका आरोप था कि सुबह दस बजे के बाद भी शव विच्छेदन नहीं किया जा रहा है। हंगामा होने की सूचना मिलने पर जिलाधीश रुचिका चौहान, एसएसपी धर्मवीर सिंह, एसडीएम राजीव समाधिया सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने ग्रामीणों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। आनन-फानन में शवों का परीक्षण किया गया और ग्रामीण बाद में चारों शव लेकर गांव रवाना हो गए।

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की सहयता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर में सड़क दुर्घटना में चार कांवड़ियों की मृत्यु पर दुख प्रकट करते हुए उनको श्रद्धांजलि अर्पित की है और बाबा महाकाल से प्रार्थना है कि दिवंगतों की पुण्यात्मा को शांति प्रदान कर अपने चरणों में स्थान दें। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिवारजनों को राज्य शासन द्वारा चार-चार लाख की सहायता राशि की स्वीकृति दी है। साथ ही घायलों को बेहतर निशुल्क उपचार करने के भी निर्देश दिए हैं।

पुलिस चालक की तलाश में जुटी

झांसी रोड थाना प्रभारी शक्तिसिंह का कहना है कि सड़क दुर्घटना की जांच की जा रही है और पुलिस आरोपी चालक की सरगर्मी से तलाश में जुटी हुई है। कार में दुर्घटना के समय कितने लोग सवार थे, इस बारे में पता लगाया जा रहा है।

जन्मदिन पार्टी मनाने जा रहे थे कार सवार

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी ने बताया कि शीतला माता तिराहे पर हुई सड़क दुर्घटना के बाद पुलिस ने चार युवकों को पकड़ लिया है। प्रदीप परिहार, नितिन बघेल, सन्नी परिहार, अल्केश परिहार और कृष्णा परियानी अपने दोस्त का देर रात जन्मदिन मनाने के लिए कार से जा रहे थे। कृष्णा ने राहुल बाथम से बारह घंटे के लिए कार को किराए पर लिया था। 15 सौ रुपए किराया तय होने के बाद सभी दोस्त देर रात सूनसान रोड पर निकल गए थे। अचानक कार का टायर फट जाने पर कार अनियंत्रित होकर कवांड़ियों से टकराने के बाद खाई में पलट गई थी। पुलिस ने घटना के बाद ताबड़तोड़ दबिश देकर कार मालिक राहुल बाथम, नितिन बघेल, अलकेश परिहार और कृष्णा को पकड़ लिया है। पुलिस कार चालक प्रदीप की तलाश में उसके छिपने के ठिकानों पर दबिश दे रही है।

एक ही परिवार के थे मृतक

उत्तम बंजारा ने बताया कि मृतक पूरन मेरा छोटा भाई था। पूरन के अलावा मेरे छोटे भाई अनंतराम का बेटा धर्मेन्द्र, चाचा का लड़का दिनेश और रमेश मामा का लड़का था। एक ही परिवार के चार लोगों की मौत होने से परिवार सदमे में है।

गाड़ी मालिक का वीडियो सामने आया

राहुल बाथम ने जब कृष्णा परियानी को किराए पर गाड़ी दी थी उस समय वह उससे कह रहा था कि कोई एक्सीडेंट हो जाए तो मेरी गारंटी नहीं है। उत्तम बंजारा ने कहा कि राहुल का वीडियो भी हमें मिला है जिसमें वह दुर्घटना होने की बात कह रहा है।

जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता 16 से

ग्वालियर। जिला ताइक्वांडो संघ ग्वालियर द्वारा 5वीं जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन 16 से 18 अगस्त तक कोटेश्वर पैलेस ,कोटेश्वर मंदिर के पास किया जा रहा है। जिला ताइक्वांडो संघ ग्वालियर के सचिव अजय गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता सभी आयु वर्गों में (बालक एवं बालिका) होगी, साथ ही बताया कि 16 अगस्त को सभी रजिस्टर्ड खिलाड़ियों के फॉर्म के साथ जरूरी दस्तावेज जमा किए जाएंगे एवं उसके बाद सभी खिलाड़ियों के वजन लिए जाएंगे तथा 16 की शाम से फाइट शुरू की जाएगी एवं सभी खिलाड़ियों को अपने रजिस्ट्रेशन 10 अगस्त तक कराना अनिवार्य है। प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक एवं रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ियों का आगामी माह में होने वाली राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए ग्वालियर जिले की टीम में चयन किया जाएगा।

तोमर ने छिम छिमा हनुमान मंदिर पर कांवड़ यात्रा का किया समापन

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने बुधवार को श्योपुर जिले के विजयपुर में प्रसिद्ध छिमछिमा वाले हनुमान जी मंदिर पहुंचकर कांवड़ यात्रा का समापन किया। साथ ही विशाल भंडारे में शामिल होकर प्रसादी ग्रहण की। श्री तोमर ने कांवड़ियों का पुष्प वर्षा का अभिनंदन किया एवं कावड़ यात्रा के संयोजक पूर्व कैबिनेट मंत्री रामनिवास रावत का धर्म गमछा एवं माला पहनाकर शुभकामनाएं दीं। मंदिर के महंत जी ने श्री तोमर का पुष्प माला पहनकर स्वागत किया। इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि चार दिवसीय मानपुर त्रिवेणी संगम से श्री छिम -छिमा हनुमान जी मंदिर तक कांवड़ यात्रा अद्भुत रही। यह संगम भगवान भोलेनाथ के सानिध्य में श्रद्धा सेवा और संस्कार का संगम है। इस तरह के आयोजन से हमारे क्षेत्र के युवाओं में सनातन धर्म के प्रति आस्था जागृत होने के साथ-साथ नेक रास्ते पर चलने का प्रभु का आशीर्वाद मिलता है । वहीं श्री तोमर ने हनुमान मंदिर पर चल रही भागवत कथा में भागवत आचार्य श्री कपिल कृष्ण महाराज का पुष्पमाला पहनाकर अभिनंदन किया। उनके साथ पूर्व मंत्री रामनिवास रावत, शशांक भूषण, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य गण अशोक जैन एवं अशोक जादौन, रविंद्र सिंह जादौन गुड्डा मौजूद रहे ।

जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

जनता को बुनियादी सुविधाएं दिलाने, बिगड़ती कानून व्यवस्था, नशे का बढ़ता कारोबार, जर्जर सड़कों, महंगी और बार-बार गुल होती बिजली की समस्या, स्वच्छ पानी सहित तमाम समस्याओं को लेकर बुधवार को कांग्रेस ने रैली निकालकर जिलाधीश कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार, विधायक साहब सिंह गुर्जर, प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र शर्मा के साथ कार्यकर्ता अलकापुरी तिराहे से नारेबाजी करते हुए जिलाधीश कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता हाथों में तख्तियों पर साफ पानी दो, जर्जर सड़कें ठीक करो, बिजली समस्या दूर करो, नशे के बढ़ते कारोबार पर अंकुश लगाओ, बिगड़ती कानून व्यवस्था को ठीक करो, जनता पर बढ़ते टेक्स का बोझ कम करो, निकलो बाहर मकानों से, जंग लड़ो बेईमानों से आदि नारे लगा रहे थे। चूंकि प्रशासन ने कार्यालय के नीचे बेरीकेड्स लगा दिए थे। इसलिए एसडीएम अतुल सिंह ने वहीं पर ज्ञापन लिया। प्रदर्शन करने वालों में महाराज सिंह पटेल, राहुल शर्मा, धर्मेन्द्र शर्मा, वीर सिंह तोमर, सुरेन्द्र यादव, प्रभूदयाल जौहरे, चतुर्भुज धनोलिया, हेवरन सिंह कंसाना, सीमा समाधिया, सरमन सिंह राय, जेएच जाफरी, मेहबूब खां चेन वाले, डॉ. राकेश अग्रवाल, सुनील सिंह कुशवाह, संजय सिंह यादव, भैयालाल भटनागर, महिला कांग्रेस अध्यक्ष मीनू परिहार, शिखा शर्मा,हरेन्द्र सिंह गुर्जर, महेन्द्र शर्मा आदि शामिल हैं।

अवैध कट्टे के साथ पकड़ा बदमाश

ग्वालियर, न.सं.। अवैध हथियार लेकर घटना करने के इरादे से घूम रहे बदमाश को पुलिस ने पकड़ लिया। पकड़े गए बदमाश से पुलिस ने अवैध हथियार के बारे में पूछताछ कर आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पड़ाव थाना प्रभारी आलोक परिहार ने बताया कि रात को वह टीम के साथ रात को गश्त कर रहे थे तभी उनको प्लेटफार्म नंबर चार के बाहर ऑटो स्टैंड पर एक बदमाश के किसी घटना को अंजाम देने के इरादे से खड़ा होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखकर बदमाश ने भागने का प्रयास किया पुलिस ने उसका पीछा कर दबोच लिया। पकड़े गए जितेन्द्र केवट उर्फ अमित पुत्र नंदकिशोर निवासी पंडोखर हाल ल्क्ष्मणपुरा की तलाशी लेने पर उसके पास से 315 बोर का कट्टा और एक कारतूस मिला। पुलिस बदमाश से कट्टा कहां से लेकर आया था उस संबंध में पूछताछ शुरू कर दी है।

31 समाजसेवी 'विप्र गौरव' सम्मान से सम्मानित

ग्वालियर। सकल ब्राह्मण महासमिति द्वारा शहीद चंद्रशेखर आजाद एवं लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती के अवसर पर सनातन धर्म मंदिर में बुधवार को विप्र समागम का आयोजन किया गया जिसमें 31 वरिष्ठ समाजसेवियों को 'विप्र गौरव' सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महंत मनीष विट्ठल अण्णा महाराज रहे। अध्यक्षता प्रकाश नारायण शर्मा ने की। इस मौके पर 'विप्र गौरव' सम्मान से डॉ. ओएन कौल, योगाचार्य दामोदरलाल शर्मा, डॉ. सुनील शर्मा, कौशल किशोर द्विवेदी, डॉ. महेश शर्मा, कुलवीर भारद्वाज, हरिओम उपाध्याय, सुरेन्द्र कुमार, डॉ. जेपी शर्मा, अशोक प्रेमी, डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी, विनोद प्रकाश, उर्मिला शर्मा आदि को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. वंदना भूपेन्द्र प्रेमी, अनिल मिश्रा, बीना भारद्वाज, राम पाठक आदि उपस्थित रहे। संचालन डॉ.जयवीर भारद्वाज एवं आभार शशिकांत दीक्षित ने व्यक्त किया।

शिवशक्ति धाम में गाए मल्हार, किया नृत्य

ग्वालियर। मॉडल टाउन वेलफेयर सोसायटी की महिला सभा द्वारा शिवशक्ति धाम, मॉडल टाउन में हरियाली उत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर सोसायटी की महिला सदस्यों द्वारा सावन के गीतों पर नृत्य किया और मल्हार गाए गए। कार्यक्रम में अंत में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संकल्प लिया। इस मौके पर सुनीता यादव, शोभा गुप्ता, नीलम चौहान, कंचन सक्सेना, शशि दुबे, रीना भदौरिया, सुनीता पाराशर, ज्योति शर्मा, अर्चना शर्मा, साधना भार्गव, गीता शर्मा, नीतू बरुआ आदि महिलाएं मौजूद रहीं।

झांसी मंडल में 6 महीने में 916 गिरफ्तार

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

बिना वजह खींची चेन, देना पड़ा भारी जुर्माना

रेल यात्रा के दौरान बिना कारण अलार्म चेन खींचने की आदत अब भारी पड़ने लगी है। झांसी मंडल में जनवरी 2025 से जून 2025 तक ऐसे 916 यात्रियों को पकड़ा गया, जिन्होंने बिना उचित कारण ट्रेन की चेन खींची। मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत इन सभी व्यक्तियों पर रेलवे अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई और कुल 2,51,140 रूपए का जुर्माना वसूला गया।

झासी मंडल यात्रियों की सुरक्षित और समयबद्ध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ऐसे यात्रियों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे बिना किसी उचित कारण के चेन पुलिंग न करें, क्योंकि यह न केवल एक दंडनीय अपराध है, बल्कि इससे अन्य यात्रियों को भी भारी असुविधा होती है। ट्रेन की समय-सारणी बिगड़ जाती है, बीमार यात्रियों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता, विद्यार्थियों की परीक्षा छूट जाती है और आवश्यक कार्य से जा रहे यात्रियों को भी परेशानी होती है।

सर्वाधिक ग्वालियर में पकड़े

ग्वालियर स्टेशन से 332, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से 143, ललितपुर से 105, मुरैना से 104, चित्रकूट से 75, बांदा से 51, महोबा से 48, झांसी लोको से 24, उरई से 21, खजुराहो से 08 और भीमसेन स्टेशन से 05 यात्रियों को गिरफ्तार किया गया।

ब्लड कलेक्शन सेंटर शुरू

ग्वालियर। मरीजों की खून की जांच को सुविधाजनक बनाने के लिए जयारोग्य अस्पताल समूह के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक भवन में ब्लड कलेक्शन सेंटर शुरू कर दिए गए हैं। इससे मरीजों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। अब केआरएच, सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक और कार्डियोलॉजी यूनिट के ब्लड कलेक्शन सेंटर 24 घंटे खुले रहेंगे, जिससे आपात स्थिति में भी खून की जांच कराना संभव हो सकेगा। इसके अलावा, न्यूरो विभाग में यह सेंटर सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक, कैंसर विभाग में सुबह 9 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक और ट्रॉमा सेंटर में दोपहर 2 बजे तक संचालित किए जाएंगे। वहीं न्यू जेएएच ओपीडी में चल रहे ब्लड कलेक्शन सेंटर ओपीडी समय के अनुसार कार्य करेगा, जबकि फर्स्ट फ्लोर पर स्थित कलेक्शन सेंटर 24 घंटे चालू रहेगा।

मिलावटखोरी पर कार्रवाई दिखावटी रिपोर्ट कब आएगी किसी को नहीं पता

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

खाद्य सुरक्षा विभाग की सुस्ती पर उठे सवाल

जिला प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा शहर में मिलावट के खिलाफ मचाया गया शोर अब प्रशासनिक सुस्ती और दिखावटी कार्यवाही के दलदल में फंसता नजर आ रहा है। कलेक्टर रूचिका चौहान के निर्देश और अभिहित अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव के आदेश पर जिन प्रतिष्ठानों से मिलावटी खाद्य सामग्री के संदेह में नमूने लिए गए थे, उन्हें भोपाल की राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेज तो दिया गया है, लेकिन अब असली सवाल ये है कि रिपोर्ट कब आएगी? सूत्रों की मानें तो जांच रिपोर्ट आने में रक्षाबंधन तक का समय लग सकता है, यानी त्योहार के बाद ही रिपोर्ट आएगी। बुधवार को टी.पी. नगर की आर.के. फूड प्रोडक्ट, शंकरपुर ताल की बसंत फूड, सिटी सेंटर के शेर ए पंजाब होटल, डब्लूटीएफ एक्सप्रेस रेस्टोरेंट और फादर एंड डॉटर स्टोर से हल्दी, मिर्च, धनिया पाउडर, तेल और घी जैसे रोजमर्रा के उपयोग की सामग्रियों के नमूने लिए गए हैं। ये वही चीजें हैं जो हर रसोई में रोजाना उपयोग होती हैं। लेकिन जब तक रिपोर्ट नहीं आएगी, ना बिक्री रुकेगी, ना इन पर कोई कानूनी शिकंजा कस सकेगा।

आयोजन भारतीय मजदूर संघ ने मनाया 70वां स्थापना दिवस

राष्ट्र, उद्योग और श्रमिक हित के लिए संकल्पित है भामसं

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

भारतीय मजदूर संघ जिला ग्वालियर ने बुधवार को संगठन का 70 वां स्थापना दिवस समारोह श्याम वाटिका में आयोजित किया। इस अवसर पर दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम का यहां सीधा प्रसारण भी देखा गया।

दिल्ली में कार्यक्रम को मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत ने संबोधित किया। विशिष्ट अतिथि केंद्रीय श्रम एवं रोजगार व युवा कार्यक्रम तथा खेल मंत्री डॉ.मनसुख भाई मंडाविया थे। अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिरण्मय पांड्या ने की। दिल्ली से सीधे प्रसारण से पहले यहां भी वक्ताओं ने श्रमिकों को संबोधित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुधीर चतुर्वेदी, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल, भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया थे। अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने की। इस अवसर पर संगठन के ग्वालियर-दतिया विभाग प्रमुख सुरेंद्र सिंह भदौरिया भी मंचासीन रहे। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ राष्ट्र हित, उद्योग हित और श्रमिक हित के लिए संकल्पित है और इस दिशा में काम भी कर रहा है। उन्होंने संगठन के शून्य से शिखर तक 70 वर्ष की यात्रा पर विस्तार से प्रकाश भी डाला। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों ने भगवान विश्वकर्मा, भारतमाता तथा राष्ट्र ऋषि दत्तोपंत ठेगड़ी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलित किया। संगठन का गीत एबीएस कुशवाह ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जिले में योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए जिला योग प्रभारी दिनेश चाकणकर को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पुष्पराज सिंह सिकरवार एवं आभार विष्णु शर्मा ने व्यक्त किया।

जेसी मिल मामले पर भोपाल में नहीं बनी बात

5 अगस्त को उच्च न्यायालय में होना है सुनवाई

ग्वालियर। मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास कॉरपोरेशन (एमपीआईडीसी) और इंटक नेता के बीच जेसी मिल मसले पर बुधवार को भोपाल में बैठक आयोजित हुई। जिसमें दोनों पक्षों ने एक दूसरे के प्रस्ताव से असहमति व्यक्त की जिससे बैठक में एमपीआईडीसी के एमडी चंद्रमौली शुक्ला, सलाहकार संतोष मुछाल तथा अध्यक्ष मजदूर कांग्रेस इंटक रतिराम यादव, महामंत्री राजेंद्र सिंह नाती मौजूद रहे। बैठक में वर्ष 2008 में श्रमिक /कर्मचारियों के क्लेम्स उच्च न्यायालय खंड पीठ ग्वालियर द्वारा 231 श्रमिको के स्वीकृत क्लेम्स देने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया, लेकिन श्रमिक नेताओं द्वारा छह माह पूर्व परिसमापक अधिकारी को जो क्लेम्स प्रस्तुत किए गए है तथा उस पर कंपनी लॉ द्वारा निर्धारित ब्याज दिए जाने का प्रस्ताव दिया गया । जिसमें दोनों पक्षों के द्वारा एक दूसरे के प्रस्ताव पर असहमति व्यक्त की गई। नेताओं ने बताया कि इस संदर्भ में श्रमिकों का पक्ष आने वाली 5 अगस्त 2025 को उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

जूडा की चुनाव प्रक्रिया शुरू

ग्वालियर। गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय में जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ.आरकेएस धाकड़ द्वारा जारी सूचना के अनुसार जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. संदीप सिंह जादौन ने अपना इस्तीफा दे दिया है। इसलिए प्रस्तुत आवेदन के आधार पर वर्तमान एसोसिएशन को भंग कर चुनाव की घोषणा की जाती है। साथ ही होने वाले चुनाव के लिए ऑर्थोपेडिक प्राध्यापक डॉ.सुरेंद्र यादव और ईएनटी विभाग प्राध्यापक डॉ. ऋतु निगम को चुनाव अधिकारी बनाया गया है।

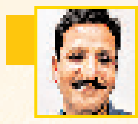

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजीशियन, छत्तीसगढ़

बारिश के मौसम में जब बढ़े जोड़ों का दर्द

मेरी उम्र 63 वर्ष है। बारिश का मौसम शुरू होने पर मेरे घुटनों में दर्द बढ़ जाता है, चलने में परेशानी होती है। कृपया बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-जगदीप, भोपाल

आपने यह नहीं बताया कि क्या आपके घुटनों में हमेशा दर्द रहता है? आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि इस मौसम में दर्द बढ़ जाता है। अगर ऐसा है तो इसका कारण ढूंढना चाहिए। इस मौसम में धूप नहीं निकलती है। लगातार बारिश होने पर नमी रहती है, जिससे इस तरह की समस्या देखी जाती है। विटामिन डी और B12 की कमी से दर्द बढ़ सकता है। एक बार हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर लें। जांच करने के बाद ही इसका उपचार किया जा सकता है।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। मेरे पेट के निचले हिस्से में दाईं तरफ अकसर दर्द होता रहता है। कभी-कभी यह दर्द बहुत तेज और असहनीय हो जाता है। कृपया बताएं क्या करूं?

-चेतन, बिलासपुर

दर्द होने की कई वजहें हो सकती हैं। कभी स्टोन की वजह से तो कई बार इंफेक्शन भी दर्द का कारण बनता है, लेकिन बगैर जांच किए कुछ भी कहना मुश्किल है। इसलिए डॉक्टर से संपर्क कर सबसे पहले अल्ट्रासाउंड कराएं, जिससे दर्द का कारण पता चलेगा, इसके बाद ट्रीटमेंट किया जा सकेगा। बगैर जांच के कोई भी दवा ना खाएं, कई बार यह नुकसानदायक हो सकती है।

मेरी उम्र 57 वर्ष है। जब भी मैं किसी भीड़-भाड़ वाली जगह पर जाता हूं, मुझे सांस लेने में तकलीफ होने लगती है। छींकें भी आने लगती हैं। ऐसा क्यों होता है और इस प्रॉब्लम से कैसे बचा जाए?

-कुलदीप, रायपुर

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको डस्ट या धूल से एलर्जी हो सकती है। जब आप घर से बाहर निकलते हैं तो एलर्जन सक्रिय हो जाते हैं और इस वजह से छींक आने लगती है। इससे बचाव का एक ही तरीका है कि घर से बाहर निकलते हुए आप मास्क लगाएं, इससे आपको राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरी कमर और बैक बोन में अकड़न रहती है और हल्का-हल्का दर्द भी होता रहता है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-आर्यन, महासमुंद

आपने यह नहीं बताया कि आपका वर्क प्रोफाइल क्या है, क्योंकि आजकल युवाओं में इस तरह की समस्याएं अधिक देखने को मिलती हैं। इसकी वजह लंबी सिटिंग वाली जॉब और अनियमित लाइफस्टाइल है। इससे बचाव का एक ही तरीका है कि आप सुबह और शाम नियमित रूप से बैक की एक्सरसाइज करें। इसके अलावा कैल्शियम वाली डिशेज अधिक खाएं। साथ ही विटामिन डी और B12 की कमी होना आजकल शहर के लोगों में आम है। डॉक्टर की सलाह पर इसकी दवा भी ले सकते हैं।

मेरी उम्र 56 वर्ष है। मैं जब भी सीढ़ियां चढ़ता-उतरता हूं मेरी सांस फूलने लगती है। जबकि प्लेन सरफेस पर चलने-फिरने से ऐसा नहीं होता। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-विनोद शंकर, कुरुक्षेत्र

सांस फूलने की वजह कई बार कमजोरी हो सकती है तो कई बार दिल संबंधी बीमारी की वजह से ऐसी समस्या देखने को मिलती है। क्योंकि आपकी उम्र अधिक है, इसलिए आप लापरवाही ना बरतें। डॉक्टर से संपर्क कर पहले शरीर में खून की जांच कराएं, अगर वह नॉर्मल है तो आपको हृदयरोग विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए, वो ईको और टीएमटी जैसी कुछ हार्ट की जांच कराएंगे, जिससे समस्या का पता चल जाएगा और अगर कोई हार्ट की समस्या है तो इसका इलाज हो सकेगा।

प्रस्तुति: रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. रणधीर सूद, डिपार्टमेंट-गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, मेदांता हॉस्पिटल, गुरुग्राम

स्पेशल: वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे, 28 जुलाई

पाचन तंत्र के पावर हाउस यकृत (लिवर) से संबंधित खतरनाक बीमारी है हेपेटाइटिस। भारत समेत दुनिया भर के लोगों को दिनों-दिन यह बीमारी अपनी गिरफ्त में ले रही है। हालांकि आधुनिक मेडिकल साइंस में इसका ट्रीटमेंट पॉसिबल है। लेकिन आपको इसके कारणों, लक्षणों के साथ प्रिवेंशन के तरीकों के बारे में भी जरूर जानना चाहिए।

लिवर का खतरनाक रोग हेपेटाइटिस पॉसिबल है ट्रीटमेंट-प्रिवेंशन है जरूरी

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी ग्लोबल हेपेटाइटिस रिपोर्ट 2024 के आंकड़ों के अनुसार, हेपेटाइटिस बी और सी के सर्वाधिक मामले चीन के बाद भारत में सामने आते हैं। भारत सरकार हेपेटाइटिस को लेकर गंभीर है, क्योंकि वह 28 जुलाई 2018 से राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम शुरू कर चुकी है। इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य सन 2030 तक देश में वायरल हेपेटाइटिस को नियंत्रित कर इसका उन्मूलन करना है और इसके साथ ही हेपेटाइटिस के अन्य प्रकारों की रोकथाम करना भी है।

हेपेटाइटिस के प्रकार

ऐसी सूजन, जो लिवर में संक्रमण के कारण होती है, उसे हेपेटाइटिस कहते हैं। हेपेटाइटिस वायरस के पांच प्रकार हैं- हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और हेपेटाइटिस ई।

हेपेटाइटिस ए: इसका वायरस लिवर को दूषित पेयजल और अस्वच्छ खाद्य पदार्थों के जरिए संक्रमित करता है।

हेपेटाइटिस बी और सी: ये दोनों वायरस लिवर को गंभीर रूप से क्षति पहुंचाते हैं। हेपेटाइटिस बी और सी वायरस गलत तरीके से रक्त चढ़ाने, संक्रमित व्यक्ति द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुओं जैसे टूथब्रश और रेजर आदि के इस्तेमाल से अन्य स्वस्थ लोगों को भी संक्रमित कर सकता है। वहीं जो लोग नशे का इंजेक्शन लेते हैं या फिर असुरक्षित यौन संबंध स्थापित करते हैं, उनमें हेपेटाइटिस बी और सी होने का खतरा कहीं ज्यादा होता है।

हेपेटाइटिस डी: हेपेटाइटिस के इस प्रकार में लिवर में सूजन लंबे समय तक रहती है। ऐसी स्थिति में लापरवाही बरतने पर लिवर फेल्योर की समस्या उत्पन्न हो सकती है। आमतौर पर अगर कोई व्यक्ति हेपेटाइटिस बी और सी से ग्रस्त है, तो उसे हेपेटाइटिस डी होने का खतरा ज्यादा होता है।

हेपेटाइटिस ई: हेपेटाइटिस ए की तरह इस प्रकार का वायरस भी दूषित और अस्वच्छ खाद्य-पेय पदार्थों के जरिए लिवर को संक्रमित करता है।

प्रमुख लक्षण

हेपेटाइटिस का कोई भी प्रकार हो, लेकिन इन सभी के आमतौर पर लक्षण लगभग एक जैसे होते हैं। जैसे-भूख कम लगना। पेट में गैस बनना या दर्द होना। अक्सर दस्त होना। जी मिचलाना और उल्टी होना। पीलिया होना। त्वचा, नाखूनों और आंखों में पीलापन। बुखार आना। वजन का धीरे-धीरे कम होना। शारीरिक श्रम के बगैर थकान महसूस करना। यूरिन का रंग गहरा पीला होना।

इन बातों का रखें ध्यान

- बरसात के मौसम में वातावरण में नमी और गंदगी के ज्यादा बढ़ने से हेपेटाइटिस के वायरस तेजी से पनपते हैं। इसलिए बरसात में खान-पान की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए।
- रक्त चढ़ाने की प्रक्रिया स्वच्छ और जीवाणु रहित होनी चाहिए।
- फलों और सब्जियों के जरिए भी हेपेटाइटिस ई के वायरस शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। इसलिए आप जो भी फल और सब्जियां बाजार से लाएं, उन्हें अच्छी तरह से धोकर और पकाकर खाएं।
- किसी भी वस्तु को खाने से पहले हाथों को हैंड सैनिटाइजर, हैंड वॉश या एंटीबैक्टीरियल साबुन से साफ करें।
- हेपेटाइटिस बी मां से बच्चे में फैल सकता है और इसे टीकाकरण से रोका जा सकता है।

- स्टेराइल सिरिंज का इस्तेमाल करें। किसी भी स्थिति में इंजेक्शन की नीडल का इस्तेमाल एक बार से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इसके लिए स्टेराइल सिरिंज का इस्तेमाल करें और फिर इसे इस्तेमाल के बाद फेंक दें। यदि दो लोगों के बीच सिरिंज का पुनः उपयोग किया जाता है, तो हेपेटाइटिस और एचआईवी जैसे रोगों के संचरण का खतरा बढ़ जाता है।
- किसी दूसरे व्यक्ति का ब्लेड या रेजर भी रक्त को संक्रमित कर हेपेटाइटिस और एचआईवी आदि के खतरे को बढ़ा सकता है।
- टैटू गुदवाते समय सजगता बरतें। टैटू गुदवाने वाले उपकरण की सुई स्टेरलाइज होनी चाहिए।

डायग्नोसिस के तरीके

- 'आईजीएम' एंटीबॉडी टेस्ट से हेपेटाइटिस ए और ई का पता चलता है।
- हेपेटाइटिस बी वायरस का पता करने के लिए 'डीएनए' लेवेल टेस्ट।
- हेपेटाइटिस सी के लिए 'आरएनए' टेस्ट और जीनोटाइपिंग टेस्ट कराए जाते हैं।
- लिवर फंक्शन टेस्ट, सीबीसी, किडनी फंक्शन टेस्ट भी कराते हैं।

ट्रीटमेंट के तरीके

हेपेटाइटिस ए का इलाज: अधिकतर मामलों में शरीर स्वतः सेल्फ रिकवरी करता है, लेकिन मरीज को डॉक्टर के परामर्श पर अमल करना चाहिए।

हेपेटाइटिस बी का इलाज: इस वायरस का संक्रमण क्रॉनिक इंफेक्शन में भी तब्दील हो सकता है और कुछ मामलों में यह समस्या जीवनपर्यंत जारी रह सकती है। अगर हेपेटाइटिस बी का संक्रमण 6 महीने से ज्यादा चलता है तो इसे क्रॉनिक हेपेटाइटिस बी कहा जाता है। इस संक्रमण के इलाज में डॉक्टर के परामर्श से इंजेक्शन और टेबलेट्स दी जाती हैं। हेपेटाइटिस बी लिवर कैंसर या फिर लिवर सिरोसिस का कारण बन सकता है।

हेपेटाइटिस सी का इलाज: नई दवाओं के उपलब्ध हो जाने से हेपेटाइटिस सी का इलाज अब संभव है। इन दवाओं की सफलता दर बहुत अच्छी है और इनके साइड इफेक्ट भी नगण्य हैं।

हेपेटाइटिस डी का इलाज: देश में हेपेटाइटिस डी के मामले बहुत कम पाए जाते हैं। हेपेटाइटिस डी के इलाज के लिए दवाएं उपलब्ध हैं।

हेपेटाइटिस ई का इलाज: चिकित्सा विज्ञान में हुई प्रगति के कारण अब हेपेटाइटिस ई का इलाज संभव है, लेकिन हेपेटाइटिस ई में गर्भवती महिलाओं को जोखिम ज्यादा रहता है।

खान-पान पर दें ध्यान

हेपेटाइटिस को नियंत्रित करने में खान-पान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। लिवर को सशक्त बनाए रखने में चुकंदर, हरी पत्तेदार सब्जियां, मूली और ब्रोकली आदि विशेष रूप से लाभप्रद हैं। इसके अलावा खट्टे फल जैसे संतरा, मौसंबी, नींबू और नारंगी आदि भी हितकर हैं। इसके अलावा अत्यधिक चिकनाई या वसायुक्त आहार लिवर की सेहत के लिए नुकसानदेह है, इनसे बचें। जंक फूड्स से परहेज करें। प्रोसेस्ड फूड्स भी हानिप्रद हैं। आहार में साबुत अनाज को शामिल करें। दलिया, खिचड़ी और ओट्स विशेष रूप से लाभप्रद हैं। शराब लिवर की सबसे बड़ी शत्रु है। इससे दूर रहें। नमक का कम सेवन लाभप्रद है। खाद्य पदार्थों पर अलग से नमक न छिड़कें।

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

हेपेटाइटिस से बचाव के उपाय

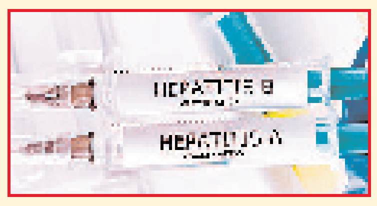

हेपेटाइटिस ए और बी का टीका (वैक्सीन): हेपेटाइटिस के इन दोनों प्रकारों का टीका उपलब्ध है, जिसके लगवाने से हेपेटाइटिस का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। इसके अलावा इन बातों पर भी दें ध्यान।

स्वच्छ पेयजल: फिल्टर, प्यूरीफायर या आर.ओ. का पानी ही पिएं। अगर यह सुविधा उपलब्ध नहीं है तो पानी को उबालकर और फिर इसे ठंडा कर पिएं, क्योंकि हेपेटाइटिस खासकर ए और ई के वायरस अशुद्ध पेयजल और दूषित खाद्य पदार्थों के जरिए शरीर में प्रवेश करते हैं।

टेस्ट कराएं: हेपेटाइटिस का टेस्ट इस बीमारी की पहचान और प्रारंभिक स्तर पर इसके निदान (डायग्नोसिस) की सटीक विधि है। जब भी आप हेपेटाइटिस के कुछ लक्षण महसूस करें तो डॉक्टर से परामर्श लेकर परीक्षण करवाएं। ऐसा करने से किसी भी गंभीर बीमारी के जानलेवा होने का खतरा टल जाता है।

मेंटल हेल्थ

प्रो. (डॉ.) [illegible]

[illegible]

पिछले दिनों हुए एयर इंडिया प्लेन क्रैश के बाद से बहुत सारे लोग हवाई यात्रा से डरने लगे हैं। ऐसा एंग्जाइटी की वजह से होता है। इस मेंटल कंडीशन से उबरने के लिए आपको कुछ उपाय आजमाने चाहिए।

एयरोप्लेन एंग्जाइटी उबरने के लिए आजमाएं ये कारगर उपाय

हाल में ही हुए अहमदाबाद एयरोप्लेन क्रैश के बाद से फ्लाइट में निश्चित होकर सफर करने वाले कई लोगों के मन में डर, चिंता और घबराहट होने लगी है। ऐसा एयरोप्लेन एंग्जाइटी की वजह से हो रहा है।

एंग्जाइटी का कारण-प्रभाव: असल में एंग्जाइटी एक सेकेंडरी इमोशनल रिएक्शन होता है। जब कभी हमें किसी चीज का डर होता है, तो उसकी वजह से हम तनावग्रस्त हो जाते हैं, उसके बारे में सोचना शुरू करते हैं और धीरे-धीरे पैनिक या घबरा जाते हैं। जहां तक एयरोप्लेन एंग्जाइटी का सवाल है- यह एयरोप्लेन से जुड़ी घबराहट, कमजोरी या बेवजह डर नहीं, बल्कि व्यक्ति के दिमाग का नए और अनजान माहौल में प्रतिक्रिया करने का तरीका है। एयरोप्लेन क्रैश की भयावह दुर्घटना और मीडिया के ओवर-एक्सपोजर की वजह से व्यक्ति का ब्रेन एयर ट्रैवल को खतरे के रूप में देखने लगता है और शरीर फाइटर फ्लाइट मोड में चला जाता है। बॉडी में कार्टिसोल और एड्रेनलिन हार्मोन रिलीज होने लगते हैं, जिससे व्यक्ति इंटरनल पैनिक या एंग्जाइटी महसूस करने लगता है। इसका व्यक्ति के दिलोदिमाग पर गहरा असर पड़ता है। वह गहरे दुख, विषाद और असुरक्षा की भावना का शिकार हो जाता है। उसे मेंटल-इमोशनल फॉलआउट का सामना करना पड़ता है। भले ही वह पर्सनल लेवल पर उस दुर्घटना का हिस्सा न रहा हो, लेकिन नित्य प्रति होने वाले मीडिया एक्सपोजर के चलते उस घटना से भावनात्मक रूप से जुड़ा होता है। कुछ लोगों में निराशा इतनी बढ़ जाती है कि वो एयरोप्लेन में ट्रैवल करने से डरने लगते हैं।

क्या होते हैं लक्षण: एयरोप्लेन एंग्जाइटी होने पर ट्रैवल कर रहे लोगों में कई तरह की व्यावहारिक असमानताएं दिखाई देने लगती हैं। जैसे- फ्लाइट के बारे में सोच कर हार्टबीट तेज होना, सांस फूलना या सांस लेने में तकलीफ होना, घबराहट होना, पसीना आना, यूरिन पास करने की फीलिंग बार-बार होना, नींद न आना। पैनिक की स्थिति में ब्रेन फॉग होना शुरू हो जाता है, व्यक्ति कोई निर्णय नहीं ले पाता।

क्या है कारण: एयरोप्लेन एंग्जाइटी बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं-

- एयरोप्लेन क्रैश या एयरोप्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग की होने वाली घटनाएं सबसे बड़ा कारण है। इनसे जुड़ी खबरें देख-सुनकर या फिर दूसरों से बात करने पर व्यक्ति के ब्रेन में फीयर इमोशन एक्टिवेट हो जाता है और वह एंग्जाइटी का शिकार हो जाता है।
- दूसरे लोगों के एयर ट्रैवल के अनुभव सुनकर या न्यूज में देखी-सुनी एयरोप्लेन क्रैश दुर्घटनाओं की दुविधा बनी रहती है।

कैसे करें हैंडल: पॉजिटिव सोच रखकर और सचेत रहकर व्यक्ति अपनी एयर ट्रैवल एंग्जाइटी पर काबू पा सकता है।

- सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि ट्रैवल करने के लिए हवाई-यात्रा सबसे सुरक्षित और सुविधाजनक माध्यम है। एयरोप्लेन क्रैश दुर्घटनाओं की संभावना काफी कम होती है।
- जरूरी है कि अपने को समझाएं कि यह कोई वास्तविक डर नहीं एंग्जाइटी है।
- मीडिया के ओवर-एक्सपोजर से बचें।
- भगवान पर भरोसा रखें। पैनिक स्थिति में अपनी धार्मिक आस्था के मुताबिक मन ही मन भगवान को याद करें।
- ट्रैवलिंग में टाइम पास करने या रिलैक्स होने के लिए अपनी पसंदीदा किताब या मैगजीन लेकर जाएं। बोरियत से बचने के लिए सीट पर लगी स्क्रीन या फोन पर अपने पसंदीदा प्रोग्राम देखें, डिजिटल गेम्स खेलें, म्यूजिक सुनें।

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

डायबिटीज से भी हो सकती है इनफर्टिलिटी

अवेयरनेस

अब से कुछ दशक पहले तक डायबिटीज और बांझपन की समस्या ज्यादातर उम्र बढ़ने के बाद नजर आती थी। लेकिन अब 25-30 साल के युवाओं में भी ये प्रॉब्लम्स तेजी से बढ़ रही हैं। डायबिटीज, शरीर में हार्मोनल और मेटाबोलिज्म सिस्टम को प्रभावित कर देती है, जिससे रिप्रोडक्शन में परेशानी होती है। यहां तक कि प्री-डायबिटीज या इंसुलिन रेजिस्टेंस भी यंगस्टर्स में रिप्रोडक्टिव हार्मोन और महिलाओं के पीरियड्स को प्रभावित कर सकता है। इस वजह से गर्भधारण करने में दिक्कत आती है।

डायबिटीज और इसका प्रभाव: दिल्ली एनसीआर स्थित मदरहुड हॉस्पिटल में फर्टिलिटी-आइवीएफ स्पेशलिस्ट डॉ. वर्षा अग्रवाल के अनुसार, 'डायबिटीज पुरुषों और महिलाओं दोनों की प्रजनन क्षमता को प्रभावित करता है। डायबिटीज से पुरुषों में स्पर्म काउंट कम होना, स्पर्म की क्वालिटी खराब होना और इरेक्शन की समस्या हो सकती है। महिलाओं में ओव्यूलेशन में दिक्कत, पीसीओएस का खतरा और अंडे की क्वालिटी में कमी आ सकती है। डायबिटीज कंट्रोल न हो तो गर्भपात और प्रीमैच्योर डिलीवरी का खतरा बढ़ जाता है।'

नई दिल्ली स्थित नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी में फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ. संदीप तलवार बताते हैं, 'हम अकसर देखते हैं कि 20 से 30 की उम्र के बीच कई युवा डायबिटीज से अनजान होते हैं और हार्मोनल असंतुलन और इनफर्टिलिटी की समस्याओं से ग्रस्त होते हैं। गलत खान-पान, नींद की कमी और तनाव से डायबिटीज और हार्मोनल समस्याएं बढ़ती हैं।' इस समस्या को कंट्रोल करने के बारे में डॉ. वर्षा अग्रवाल बताती हैं, 'सही खान-पान (जैसे हरी सब्जियां, दालें, मछली आदि), नियमित व्यायाम और ब्लड शुगर कंट्रोल से डायबिटीज और बांझपन को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है।'

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

सुबह उठते ही दिखें ये लक्षण तो ये थायराइड के हो सकते हैं संकेत

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में थायराइड की समस्या आम हो गई है। थायराइड किसी को भी अपनी चपेट में ले सकता है। सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि थायराइड क्या होता है। बता दें कि यह एक तितली के आकार की ग्रंथि होती है, जोकि हमारे गले के सामने वाले हिस्से में मौजूद होती है। यह ग्रंथि टी-3 और टी-4 नामक हार्मोन से बनती है। जोकि शरीर के कई कामों के लिए काफी जरूरी होता है। यह वजन, एनर्जी, मेटाबॉलिज्म, मूड, स्किन और बालों की सेहत के लिए भी जरूरी होती है।

दो तरह का होता है थायराइड

बता दें कि थायराइड दो तरह का होता है, जिसमें एक हार्मोन कम होने लगता है और दूसरा जिसमें हार्मोन जरूरत से ज्यादा बनने लगता है। ज्यादातर लोगों को कम हार्मोन बनने वाली शिकायत होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे लक्षण के बारे में बताने जा रहे हैं, जो सुबह सोकर उठने पर दिखाई देते हैं।

सुबह आंख खुलते ही दिखते हैं लक्षण

रात भर सोने के बाद जब सुबह उठते हैं, तो आपको थकान महसूस होती है। तो आपको समझ जाना चाहिए कि आपको थायराइड [illegible] रहा है। शरीर के मेटाबॉलिज्म [illegible] के प्रोसेस को थायराइड ग्रंथि [illegible] कंट्रोल करती है। जब यह ग्रंथि [illegible] से काम नहीं करती है, तो शरीर में कुछ बदलाव आने लगता है। इसकी कमी से सुस्ती महसूस होती है।

हार्मोन की कमी में बॉडी में होता है फ्लूइड रिटेंशन

जब शरीर में इस हार्मोन की कमी होती है, तो बॉडी में फ्लूइड रिटेंशन होने लगता है। जिस कारण सुबह सोकर उठने के दौरान आपका चेहरा सूजा हुआ लगता है और आंखें भरी लगती हैं। अगर आप खुद में यह बदलाव देख रही हैं, तो आपको फौरन डॉक्टर से मिलना चाहिए।

थायराइड हार्मोन की कमी शरीर के हर अंग को प्रभावित करने का काम करती है। फिर चाहे वह जोड़ हों, मांसपेशियां हों या फिर तंत्रिका तंत्र हो। थायराइड हार्मोन [illegible]

[illegible] से मांसपेशियों में ऊर्जा की सप्लाई घट जाती है। इससे मांसपेशियों में दर्द और अकड़न महसूस होती है और कई बार व्यक्तियों में दर्द या अकड़न भी हो सकती है। अगर सुबह सोकर उठते ही आपको लगता है कि दिल की धड़कन काफी तेज है, यह थायराइड हार्मोन के लेवल का बहुत ज्यादा होने का संकेत हो सकता है। इसे पैल्पिटेशन कहा जाता है। ऐसा हाइपरथायराइडिज्म में होता है।

कुछ घरेलू उपाय

लौकी: थायराइड की बीमारी से निजात पाने के लिए रोज सुबह खाली पेट लौकी का जूस पिएं। इससे बीमारी से राहत मिलती है और [illegible] अंत होते हैं।

धनिया: हरे धनिये के प्रयोग से थायराइड की बीमारी को ठीक किया जा सकता है। सबसे पहले इसे बारीक पीस लें और फिर [illegible] एक गिलास पानी में घोल कर इसे पिएं। इससे थायराइड की बीमारी धीरे-धीरे कंट्रोल होने लगता है।

आयोडीन: थायराइड से ग्रस्त मरीजों को आयोडीन युक्त आहार का सेवन ज्यादा मात्रा में करना चाहिए। इसका अच्छा स्रोत प्याज, लहसुन और टमाटर जैसी चीजें हैं।

नारियल पानी: यह भी थायराइड को नियंत्रित करने में बहुत सहायक होता है। यदि हर दिन संभव नहीं है तो कम से कम ऐसे मरीज को हर दूसरे दिन इसका सेवन करना चाहिए।

हल्दी: हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व पाए जाते हैं, जो थायराइड को कंट्रोल करने में मददगार साबित होते हैं। इसलिए हमेशा रात को सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीना थायराइड मरीजों के लिए अच्छा होता है।

महिला क्रिकेट : भारत ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे में 13 रन से हराया

हरमनप्रीत का शतक, भारतीय महिला टीम ने जीती वनडे सीरीज

चेस्टर-ली-स्ट्रीट

कप्तान हरमनप्रीत कौर (102) की शानदार शतकीय पारी के बाद क्रांति गौड़ (छह विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में मंगलवार को इंग्लैंड को 13 रनों से हरा दिया। इसी के साथ भारतीय टीम ने तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली है। 319 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की महिला टीम शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र आठ रन के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिये। टैमी बोमॉन्ट (दो) और एमी जोंस (चार) को क्रांति गौड़ ने आउट किया। इसके बाद एमा लैंब और नेट शिवर ब्रंट ने इंग्लैंड की पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिये 162 रनों की साझेदारी हुई। जब तक ये दोनों खिलाड़ी बल्लेबाजी कर रही थी तो ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड आसानी से यह मुकाबला जीत लेगा, लेकिन 31वें ओवर में श्रीचरणी ने एमा लैंब (81 गेंदों में 68) को बोल्ड कर इंग्लैंड को तीसरा झटका दिया। इसके बाद 35वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने शतक की ओर बढ़ रही नेट शिवर ब्रंट (105 गेंदों में 98) को विकेटकीपर ऋचा घोष के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद सोफिया डंकली और ऐलिस डेविडसन-रिचर्ड्स ने मोर्चा संभाला, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने उन्हें पिच पर अधिक देर टिकने नहीं दिया। पांचवें विकेट के रूप में सोफिया डंकली (34) रन आउट हुई। ऐलिस डेविडसन-रिचर्ड्स (44) को गौड़ ने राधा यादव के हाथों कैच आउट कराया। शार्लेट डीन (21), लॉरेन फाइलर (शून्य) और लॉरेन बेल (सात) को भी गौड़ ने आउट किया। भारत ने 49.5 ओवर में इंग्लैंड को 305 के स्कोर पर समेटकर मुकाबला 13 रनों से अपने नाम कर लिया। 84 गेंदों मे 102 रनों की शानदार शतकीय पारी खेलने वाली भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को 'प्लेयर ऑफ मैच' तथा 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया। भारत की ओर से क्रांति गौड़ ने 9.5 में 52 रन देकर छह विकेट लिये। श्रीचरणी को दो विकेट मिले। दीप्ति शर्मा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट लिये 64 रन जोड़े। 13वें ओवर में शार्लेट डीन ने प्रतिका रावल (26) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। भारत का दूसरा विकेट 18वें ओवर में स्मृति मंधाना (45) के रूप में गिरा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी कप्तान हरमनप्रीत कौर ने हरलीन देओल के साथ 81 रनों की साझेदारी की। हरलीन देओल (45) के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आयी जेमिमाह रॉड्रिग्स के साथ 110 रन की साझेदारी कर भारत के स्कोर को 272 तक पहुंचाया। 46वें ओवर में जेमिमाह रॉड्रिग्स 45 गेंदों में (50) को फाइलर ने आउट किया। भारत का पांचवां विकेट पर हरमनप्रीत कौर के रूप में गिरा। हरमनप्रीत कौर ने 84 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 102 रनों की पारी खेली। भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट के नुकसान पर 318 रन का स्कोर खड़ा किया। ऋचा घोष ने 18 गेदों में 38 रन और राधा यादव दो रन बनाकर नाबाद रही। इंग्लैंड की ओर से लॉरेन बेल, लॉरेन फाइलर, शार्लेट डीन, सोफी एकल्सटन और लिंसी स्मिथ ने एक-एक विकेट लिया।

बुमराह और झूलन गोस्वामी के खास क्लब में शामिल हुईं क्रांति

इंग्लैंड में वनडे में छह विकेट लेने वाली तीसरी भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली

भारतीय महिला टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने मंगलवार को छह विकेट लेकर इंग्लैंड की महिला टीम को तीसरे वनडे में करारी शिकस्त देने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने यह मुकाबला 13 रनों से जीतकर मेजबानों को तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 से मात दी। इससे पहले टीम ने इंग्लैंड को 3-2 से टी20 सीरीज में हराया था।

बुमराह के खास क्लब में शामिल हुईं क्रांति

इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए आखिरी वनडे में क्रांति गौड़ ने धारदार गेंदबाजी की। उन्होंने छह विकेट लिए और इंग्लैंड की कमर तोड़ दी। 21 वर्षीय गेंदबाज ने टैमी बीमाउंट, एमी जोन्स, चार्ली डीन, एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स, लॉरेन फिलर और लॉरेन बेल को अपना शिकार बनाया। इसी के साथ क्रांति गौड़ ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह इंग्लैंड में किसी वनडे में छह विकेट लेने वाली तीसरी भारतीय बन गईं। इस मामले में उन्होंने जसप्रीत बुमराह और झूलन गोस्वामी की बराबरी कर ली। इन दोनों गेंदबाजों ने भी इंग्लैंड में वनडे में छह विकेट हासिल किए थे।

क्रांति गौड़ ने मैच में 52 रन देकर छह विकेट लिए और इंग्लैंड की टीम को 305 रन पर आउट कर दिया। गौड़ महिलाओं के वनडे में भारत की ओर से पांच विकेट लेने वाली दूसरी सबसे युवा खिलाड़ी बनीं। उनसे कम उम्र में यह उपलब्धि केवल दीप्ति शर्मा ने हासिल की थी।

हरमनप्रीत ने मैच के बाद गौड़ के बारे में कहा, जब भी वह मैदान पर होती हैं और गेंदबाज़ी कर रही होती हैं तो वह प्रभावशाली रहती हैं। मैं बहुत खुश हूं जिस तरह की गेंदबाजी उन्होंने की और जब भी हमें ब्रेक-थ्रू की जरूरत थी, वह टीम के लिए मौजूद थीं।

घरेलू क्रिकेट में सागर और मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करती हैं क्रांति गौड़

तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले से आती हैं। उनका जन्म 11 अगस्त, 2003 को हुआ। वह घरेलू क्रिकेट में सागर संभाग और मध्य प्रदेश की महिला क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व करती हैं। वहीं, महिला प्रीमियर लीग में उन्हें यूपी वॉरियर्स की तरफ से खेलते देखा गया है। क्रांति ने भारत के लिए खेले चार वनडे मैचों में नौ विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने एक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी खेला है। हालांकि, इस मैच में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला।

चाइना ओपन 2025

पीवी सिंधु और 17 वर्षीय उन्नति प्री-क्वार्टर फाइनल में

चांगझोउ

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने बुधवार को चांगझोउ के ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर जिम्नेजियम में चल रहे प्रतिष्ठित बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट चाइना ओपन 2025 में रोमांचक जीत के साथ महिला एकल के राउंड-ऑफ-16 में प्रवेश किया। विश्व नंबर 6 जापान की तोमोका मियाजाकी के खिलाफ, सिंधु (विश्व रैंकिंग 15) ने अपनी विशिष्ट दृढ़ता का परिचय देते हुए तीन गेमों के कड़े मुकाबले में 21-15, 8-21, 21-17 से जीत हासिल की। दूसरा गेम हारने के बाद, भारतीय खिलाड़ी ने निर्णायक गेम में बढ़त बनाए रखते हुए जीत पक्की कर ली। सिंधु का प्री क्वार्टर फाइनल में 17 वर्षीय उन्नति हुड्डा से मुकाबला होगा जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनुभवी स्कॉटिश शटलर क्रिस्टी गिलमोर को केवल 36 मिनट में 21-11, 21-16 से हराया। पुरुष युगल में, विश्व की 12वें नंबर की जोड़ी, सात्विक-चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राउंड-ऑफ-16 में प्रवेश किया। इस जोड़ी ने जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा को सीधे गेमों में 21-13, 21-9 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। हालांकि, महिला युगल में रुतपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा की महिला युगल जोड़ी हालांकि हांगकांग की नगा टिंग येउंग येउंग और पुई लाम येउंग से 31 मिनट में 12-21, 13-21 से हार गई।

बीसीसीआई और एसएलसी का ढाका में आयोजित एसीसी की वार्षिक बैठक से किनारा

नई दिल्ली

एशियन क्रिकेट काउंसिल की सालाना जेनरल बैठक इस बार ढाका में ही होगी लेकिन समस्या यहीं ख़त्म नहीं होती। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) के पहले ही इस बैठक को बहिष्कार करने की अफ़वाह आ चुकी है, ये बैठक 23 और 24 जुलाई को प्रस्तावित है। अब तक ये भी साफ़ नहीं है कि क्या दोनों ही बोर्ड ऑनलाइन भी शामिल होंगे या नहीं। एसीसी ने भी इस बात की पुष्टि नहीं की है कि इस रीजन के पांच पूर्ण सदस्य में से ये दोनों शामिल हो रहे हैं या नहीं। ख़बर तो ये भी आ रही है थी कि अफ़ग़ानिस्तान और ओमान भी इस बैठक में शिरकत नहीं करेंगे लेकिन इन दोनों देशों ने बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है।इस बैठक में चर्चा का सबसे बड़ा केंद्र एशिया कप होने वाला है। आठ देशों वाला ये टूर्नामेंट सितंबर में UAE में प्रस्तावित है।

मैनचेस्टर टेस्ट: भारत को झटका, ऋषभ पंत हुए चोटिल

चोटिल ऋषभ पंत की चौके से फिफ्टी, भारत के 8 बैटर्स पवेलियन लौटे

मैनचेस्टर

भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले के पहले दिन इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। शुरुआती दिन पहली पारी में भारत ने चार विकेट खोकर 264 रन बनाए हैं। स्टंप्स के समय रवींद्र जडेजा और शार्दुल ठाकुर 19-19 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

यशस्वी-राहुल ने दिलाई अच्छी शुरुआत

यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने भारत को पहली पारी में अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले सत्र में इंग्लैंड के गेंदबाजों पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन दूसरे सत्र में इंग्लैंड ने वापसी की और भारत को पहला झटका दिया। क्रिस वोक्स ने केएल राहुल को जैक क्रॉली के हाथों कैच कराया। वह 98 गेंदों में चार चौके की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद आठ साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले लियाम डॉसन ने यशस्वी जायसवाल को हैरी ब्रूक के हाथों कैच कराकर पवेलियन की राह दिखाई। वह 107 गेंदों में 58 रन बनाकर आउट हुए। इस दौरान उन्होंने अपने टेस्ट करियर का 12वां पचासा 96 गेंदों में पूरा किया। दूसरे सत्र में भारत ने तीन विकेट गंवाए। केएल और यशस्वी के अलावा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए कप्तान

शुभमन गिल भी आउट हो गए। उन्हें बेन स्टोक्स ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह सिर्फ 12 रन बना पाए। तीसरे सत्र में ऋषभ पंत और साई सुदर्शन ने मोर्चा संभाला। दोनों ने 72 रन जोड़े, लेकिन पंत चोटिल होकर मैदान से बाहर हो गए।

पंत के पैर में लगी चोट

मैनचेस्टर टेस्ट के शुरुआती दिन पंत गंभीर रूप से चोटिल हो गए। उनके दाहिने पैर में चोट लगी, जिसकी वजह से काफी सूजन है। पंत के पैर से खून भी निकलता दिखा। मैदान से बाहर जाने के लिए उन्हें एंबुलेंस का इस्तेमाल करना पड़ा। वह खड़े भी नहीं हो पा रहे थे। पंत ने 48 गेंदों में 37 रन बनाए। पहले दिन जायसवाल के अलावा साई सुदर्शन ने भी अर्धशतक जड़ा। यह उनके टेस्ट करियर का पहला पचासा है। उन्हें भी स्टोक्स ने शिकार बनाया। वह ब्रायडन कार्स के हाथों कैच आउट हुए। सुदर्शन ने इस दौरान 151 गेंदों में सात चौकों की मदद से 61 रन बनाए।

केएल राहुल ने तेंदुलकर-विराट वाली लिस्ट में दर्ज करवाया अपना नाम

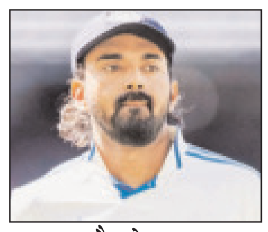

मैनचेस्टर

भारत के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने मैनचेस्टर में 11 रन बनाकर एक खास उपलब्धि अपने नाम की है। उन्होंने इंग्लैंड में 1000 टेस्ट रन पूरे कर लिए हैं और ऐसा करने वाले वह पांचवें भारतीय खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर-विराट कोहली जैसे दिग्गजों की लिस्ट में अपना नाम शामिल कर लिया है। इंग्लैंड में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों में सचिन तेंदुलकर का नाम टॉप पर है। तेंदुलकर ने अपने करियर में इंग्लैंड में 17 मैचों में 54.31 के औसत से 1575 रन बनाए थे। दूसरे नंबर पर राहुल द्रविड़ का नाम है। द्रविड़ ने इंग्लैंड में 13 मैचों में 68.80 के औसत से 1376 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का नाम है। इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में उनके बल्ले से 16 मैचों में 1152 रन आए थे।

पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली का नाम इस लिस्ट में चौथे नंबर पर है। उन्होंने इंग्लैंड में 17 मैचों में 33.21 के औसत से 1096 रन बनाए थे। वहीं मैनचेस्टर में खेले जा रहे टेस्ट मैच में 11 रन बनाकर अब केएल राहुल ने भी इंग्लैंड में 1000 रन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने इंग्लैंड में अब तक 13 मैचों में 1008 रन बनाए हैं। उनके रनों के संख्या में अभी और भी इजाफा देखने को मिलने वाला है। उनके पास अब इस लिस्ट में विराट कोहली से आगे निकलने का मौका होगा।

टेनिस: एकल मैच जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला बनीं वीनस

न्यूयार्क

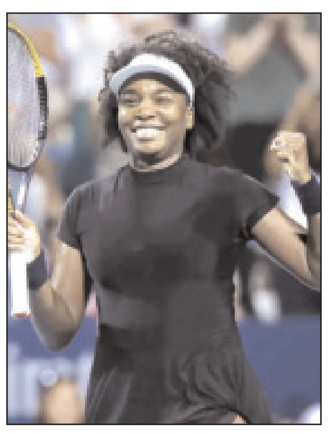

टेनिस जगत की महान प्लेयर्स में शुमार अमेरिका की महिला खिलाड़ी और वर्ल्ड नंबर-1 की पोजीशन पर लंबे तक रहने वाली वीनस विलियम्स ने अपने करियर में एक और बड़ी उपलब्धि को हासिल किया है। 45 साल की वीनस विलियम्स डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने से 22 साल छोटी खिलाड़ी पीटन स्टर्न्स को 6-3, 6-4 से मात देने में कामयाब रही। इसी के साथ वीनस विलियम्स अब महिला टेनिस सिंगल्स में सबसे अधिक उम्र में मुकाबला जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई हैं।विलियम्स का अगला मैच गुरुवार, 24 जुलाई को पोलैंड की मैग्डेलेना फ्रेंच (विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर) के खिलाफ दूसरे दौर का रोमांचक मुकाबला होगा। फ्रेंच ने पहले दौर में क्वालीफायर यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-2, 6-4 से मात देने के साथ दूसरे राउंड में अपनी जगह पक्की की है।

मार्टिना नवरातिलोवा पहले नंबर पर काबिज

महिला टेनिस में सबसे अधिक उम्र में सिंगल्स मैच जीतने के मामले में मार्टिना नवरातिलोवा के नाम अभी रिकॉर्ड दर्ज है, जिसमें उन्होंने साल 2004 में 47 साल की उम्र में ये कारनामा किया था जब उन्होंने साल 2004 के विंबलडन में कैटालिना कास्टानो को मात दी थी। वीनस विलियम्स ने इस मुकाबले में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद दिए बयान में कहा कि यह पहला कदम है। पहला मैच हमेशा बेहद मुश्किल होता है। लंबे ब्रेक के बाद वापसी करना बिल्कुल भी आसान नहीं था। इसे बयां करना मुश्किल है।

उन्होंने आगे कहा कि मैच में उतरते समय मुझे पता था कि मेरे पास जीतने की क्षमता है, लेकिन मुझे इसे साबित करने के लिए जीतकर दिखाना था। इसलिए अच्छा खेलना और जीतना सबसे बेहतरीन है।

डबल्स में भी वीनस ने की जीत के साथ शुरुआत

वीनस विलियम्स जो 16 महीनों के बाद टेनिस कोर्ट में वापसी कर रही थी उन्होंने सिंगल्स के अलावा डबल्स के इवेंट में भी जीत के साथ शुरुआत की। वीनस ने डबल्स के पहले दौर में हैली बैप्टिस्ट के साथ मिलकर जिनी बाउचार्ड और क्लर्वी न्गूनू की जोड़ी को मात देने में सफलता हासिल की।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने एडन मारक्रम को किया रिलीज

केपटाउन

दक्षिण अफ्रीकी-20 टूर्नामेंट की फ्रेंचाइजी सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने सबको आश्चर्यचकित करते हुए अपने कप्तान एडन मारक्रम को आगामी सीजन के लिए रिलीज कर दिया है। दक्षिण अफ्रीकी-20 की छह फ्रेंचाइजी ने सीजन 2026 की नीलामी से पहले अपने रिटेंशन और प्री-साइनिंग की घोषणा कर दी है। नियमों के तहत प्रत्येक टीम में अधिकतम छह खिलाड़ियों को शामिल किया जा सकता है, 'तीन दक्षिण अफ्रीकी और तीन अंतरराष्ट्रीय' और टीमों को वाइल्डकार्ड अनुबंध की भी अनुमति है जोकि घरेलू और विदेशी खिलाड़ी हो सकता है। प्रत्येक टीम में 18 सदस्य होने चाहिए। नौ सितंबर को होने वाली नीलामी में अब मारक्रम सहित कई दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी नीलामी में उपलब्ध होंगे। अन्य खिलाड़ियों में लुंगी एनगिडी, वियान मुल्डर और केशव महाराज के साथ-साथ शीर्ष युवा प्रतिभाएं डेवाल्ड ब्रेविस और क्वेना मफाका शामिल हैं।

दूसरा टी-20 मुकाबला: ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया

किंगस्टन

एडम जम्पा (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद जॉश इंग्लिश नाबाद (78) और कैमरन ग्रीन (56) की तूफानी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 28 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है।

173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में मात्र 13 रन के स्कोर पर ग्लेन मैक्सवेल (12) के रूप में अपना पहला विकेट गंवा दिया था। टीम को दूसरा झटका 42 रन के स्कोर पर कप्तान मिशेच मार्श (21) के रूप में लगा, लेकिन इसके बाद जॉश इंग्लिश और कैमरन ग्रीन के बीच तीसरे विकेट के लिए 131 रनों की अविजित साझेदारी हुई। ऑस्ट्रेलिया ने 15.2 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर

173 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। जॉश इंग्लिश ने 33 गेंद में पांच छक्के और सात चौकों की मदद से नाबाद 78 रनों की पारी खेली। वही कैमरन ग्रीन 32 गेंद में चार छक्के और तीन चौके लगाते हुए नाबाद 56 रन बनाये। वेस्टइंडीज की ओर से जेसेन होल्डर और अल्जारी जोसेफ ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज के लिए ब्रैंडन किंग और कप्तान शाई होप की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। ब्रैंडन किंग ने 36 गेंदों में तीन चौके और चार छक्कों की मदद से 51 रनों की पारी खेली। कप्तान होप 13 गेंद में नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मध्यक्रम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण का सामना अधिक देर तक नहीं कर सके और एक के बाद एक विकेट गवांते चले गये। शिमरोन हेटमायर 10 गेंद में 14 रन, रोस्टन चेज 16 गेंद में 16 रन, रोवमन पॉवेल 14 गेंद में 12 रन और शेरफेन रदरफोर्ड शून्य पर पवेलियन लौट गये। अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे आंद्रे रसेल ने 15 गेंद में दो चौके और चार छक्कों की मदद से 36 रन की पारी खेली। होल्डर एक रन बनाकर आउट हुए। आखिर में गुडाकेश मोती ने नौ गेंद में एक चौका और दो छक्कों की मदद से नाबाद 18 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जैम्पा ने तीन विकेट लिए। नाथन एलिस और मैक्सवेल को दो-दो विकेट मिले। वहीं, बेन ड्वारशुइस को एक बल्लेबाज को आउट किया।

राहुल और जायसवाल ने टेस्ट बल्लेबाजी पर अपनी पकड़ बना ली है : संजय मांजरेकर

मैनचेस्टर

संजय मांजरेकर का मानना है कि केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल की जोड़ी ने टेस्ट बल्लेबाजी पर अपनी पकड़ बना ली है। मांजरेकर ने बुधवार को चौथे टेस्ट के पहले दिन के पहले सत्र के समापन के बाद 'मैच सेंटर लाइव' पर केएल राहुल-जायसवाल की साझेदारी पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, केएल राहुल और जायसवाल ने सलामी जोड़ीदार के रूप में लगभग 500-600 रन बनाए हैं, इसका कारण उनकी कड़ी मेहनत है। सीरीज के पहले दिन, जब उन्हें टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करनी पड़ी, तो मैं चकित रह गया कि जिस तरह से भारतीय बल्लेबाजों की इस टी-20 पीढ़ी ने खुद को ढाला है, वह शानदार है। मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि जायसवाल और केएल राहुल दोनों ने अपनी पकड़ बना ली है। उन्होंने राहुल की निरंतरता और विदेशी टेस्ट परिस्थितियों में उनकी बल्लेबाजी शैली के अनुकूल होने के बारे में कहा, केएल राहुल के पास शॉट खेलने का सही तरीका है। इंग्लैंड में कहा जाता है कि जब गेंद ऊपर की ओर आती है, तो आप ड्राइव लगाकर दो रन लेते हैं, बाउंड्री नहीं। उन्होंने अपने दो कवर ड्राइव के साथ ठीक यही किया। यह एक ऐसा खिलाड़ी है जिसने सीरीज में एक भी गलती नहीं की है और लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इसलिए भारत के पास केएल राहुल जैसा बल्लेबाज है जिसने आखिरकार अपनी बल्लेबाजी में निरंतरता हासिल कर ली है। यह तेज आउटफील्ड नहीं है, इसलिए उनके कई शॉट दो रन के लिए गए। लेकिन हाँ, हम राहुल से यही उम्मीद करते हैं। हम यह भी देखते हैं कि अब कई युवा बल्लेबाज अतीत के दिग्गजों के बराबर पहुंच रहे हैं। एक कारण यह है कि वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। दूसरा कारण यह है कि भारत अब इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी जगहों पर बहुत सारे टेस्ट मैच खेलता है।

पाकिस्तान की टीम में अनकैप्ड एमान शामिल

लाहौर

पाकिस्तान ने छह अगस्त से शुरु होने वाले आयरलैंड दौरे के तीन टी-20 मैचों के लिए फातिमा सना की अगुवाई वाली 15 सदस्यीय टीम में अनकैप्ड बल्लेबाज एमान फातिमा को शामिल किया है। छह से 10 अगस्त तक इस टी-20 सीरीज के मैच डबलिन में खेले जायेंगे। **पाकिस्तानी टीम:** फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एमान फातिमा, गुल फिरोजा, मुनीबा अली, नजीहा अल्वी, नशरा सुंधू, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, सिदरा अमीन, तुबा हसन और वहीदा अख्तर।

ऋषभ पंत चोट के कारण मैदान से बाहर गए, दर्द से कराहते नजर आए

मैनचेस्टर

टीम इंडिया के लिए इंग्लैंड सीरीज में मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। आकाश दीप, नितीश रेड्डी, अर्शदीप सिंह ये सभी खिलाड़ी पहले से ही चोटिल हैं। अब मैनचेस्टर में खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच के दौरान टीम इंडिया को एक और बड़ा झटका ऋषभ पंत के रूप में लगा है। पंत को चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन बैटिंग करते हुए चोट लगी। चोट लगने के बाद वह मैदान छोड़कर बाहर चले गए हैं।

रिवर्स स्वीप खेलने के चक्कर में चोटिल हुए ऋषभ पंत

भारत की पारी के 68वें ओवर की चौथी गेंद पर ऋषभ पंत चोटिल हुए। ओवर की चौथी गेंद पर ऋषभ रिवर्स स्वीप खेलना चाहते थे। लेकिन वह गेंद को सही से कनेक्ट नहीं कर पाए। बल्ले से गेंद मिस होने के बाद वह सीधे उनके पैर पार जाकर लगी। इसके बाद पंत काफी देर तक दर्द से कराहते हुए नजर आए। चोट लगने के बाद तुरंत बाद ही फिजियो मैदान के अंदर आए और उन्होंने काफी देर तक उनसे बात की। पंत इतने दर्द में थे कि वह ठीक से चल भी नहीं पा रहे थे। उन्हें एम्बुलेंस पर बैठाकर मैदान से बाहर ले जाया गया। पंत की ये चोट कितनी गंभीर है और वह अब इस मैच में हिस्सा लेंगे या नहीं इसको लेकर कुछ भी आधिकारिक तौर पर नहीं कहा गया है। लेकिन उनका इस तरह से चोटिल होना टीम इंडिया के लिए एक बहुत बड़ा झटका है।

ई- रिक्शा चालकों ने नए आदेश के खिलाफ किया प्रदर्शन

ट्रैफिक पुलिस ने कहा-अभी एक हफ्ते समझाईश दी जाएगी, उसके बाद की जाएगी सख्ती

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में ट्रैफिक को सुधारने के लिए प्रशासन द्वारा शहर के 12 रूटों पर ई- रिक्शों के संचालन को लेकर लगाए गए प्रतिबंध के बाद बुधवार को ई-रिक्शा चालकों ने इस आदेश के विरोध में लिंक रोड-2 पर नानके पेट्रोल पंप के सामने अपने रिक्शे रोककर प्रदर्शन किया और आदेश को वापस लेने की मांग उठाई। वहीं इस मामले में ट्रैफिक पुलिस और प्रशासन के अफसरों का कहना है कि फिलहाल एक सप्ताह तक प्रतिबंधित मार्गों पर नहीं चलने के लिए ई-रिक्शा चालकों को सिर्फ समझाइश दी जाएगी, इसके बाद सख्त कार्रवाई शुरू होगी। गौरतलब है कि 27 जून को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के बाद ई- रिक्शों को मुख्य रूटों से हटाने की योजना तैयार हुई थी, जिसके तहत कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने मंगलवार को शहर के 12 रूटों पर ई-रिक्शों के संचालन और पार्किंग आदि पर रोक लगा दी है। बुधवार से यह आदेश प्रभावी हो चुका है, जिसका विरोध ई- रिक्शा चालक कर रहे हैं, प्रतिबंधित मार्ग की लंबाई 25 किलोमीटर के करीब है। ई- रिक्शा चालकों का कहना है कि प्रशासन ने बिना उनसे चर्चा किए यह आदेश जारी कर दिया, जिसके कारण उनके सामने रोटी-रोजी का संकट पैदा हो जाएगा। इसी के विरोध में बड़ी संख्या में ई-रिक्शा चालक लिंक रोड पर जमा हो गए थे।

हालांकि प्रशासनिक अफसरों ने साफ कर दिया है कि प्रतिबंध वापस नहीं होगा, बल्कि ई-रिक्शा को लेकर तैयार ड्राफ्ट को जल्द लागू किया जाएगा।

पेसा एक्ट के बेहतर क्रियान्वयन के लिए त्रिपक्षीय अनुबंध होगा

भोपाल, प्रसं। प्रदेश में पेसा एक्ट के बेहतर क्रियान्वयन के लिए 24 जुलाई को त्रिपक्षीय अनुबंध होगा। अनुबंध सचिव पंचायती राज मंत्रालय, केंद्र सरकार, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी अमरकंटक के बीच होगा। कार्यक्रम मप्र जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान भोपाल में 24 जुलाई को शाम 4 बजे से होगा। कार्यक्रम में पेसा एक्ट पर बनी पुस्तिका का विमोचन किया जाएगा। साथ ही देशभर से आए पेसा एक्ट पैनलिस्ट, विशेषज्ञों के बीच चर्चा होगी। कार्यक्रम में केंद्रीय सचिव पंचायती राज मंत्रालय विवेक भारद्वाज उपस्थित रहेंगे।

पेशी पर जाने के लिए घर से निकला पति, चिंतित पत्नी ने लगा ली फांसी

पति को जेल होने का डर था, छह लाख की उधारी भी हो गई थी

भोपाल (नगर संवाददाता)

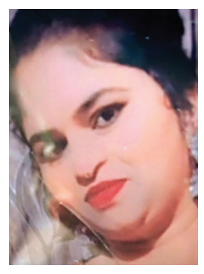

शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित संजय नगर झुग्गीबस्ती में बुधवार सुबह एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब पेशी पर बैरसिया कोर्ट जा रहा पति कुछ दूर जाने के बाद फोटो लेने के लिए घर लौट आया। जाने से पहले उसने पत्नी को सही-सलामत देखा था और पत्नी से बोलकर ही पेशी पर जाने के लिए घर से निकला था। हालांकि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है लेकिन शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि पति पर चल रहे प्रकरण को लेकर वह तनाव में रहती थी। परिवार पर छह-सात लाख रुपए की उधारी भी चढ़ गई थी। महिला को यह भी डर सता रहा था कि पेशी पर जा रहे पति को कहीं जेल न हो जाए। मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक संजय नगर शाहजहांनाबाद निवासी अनीस खान कबाड़ी का काम करते थे। परिवार में दो बेटे व दो बेटी के अलावा पत्नी नूर बानो (35) थीं। अनीस खान पर चोरी का माल खरीदने को लेकर एक प्रकरण चल रहा है। बुधवार 23 जुलाई को बैरसिया कोर्ट में इस मामले में उनकी पेशी थी। लिहाजा बुधवार सुबह करीब नौ बजे वह पेशी पर जाने के लिए घर से निकले। जाते समय पत्नी से सलाम-दुआ हुई थी। लेकिन करीब 15 मिनट बाद वह लौट आए। दरअसल वह पेशी पर ले जाने के लिए अपने फोटो भूल गए थे। घर में अपने कमरे से फोटो लेने के बाद वह जाने लगे। तभी उन्होंने सोचा कि पत्नी को बताता चलूं। जैसे ही वह दूसरे कमरे में पहुंचे तो उनके होश उड़ गए। पत्नी नूर बानो दुपट्टे के सहारे फंदे पर लटकी हुई थीं।

थाना-कचहरी में खर्च हो रहा था पैसा

एएसआई खुमान सिंह का कहना है कि अनीस खान पर प्रकरण दर्ज होने के बाद से उनके परिवार पर छह से सात लाख रुपए की उधारी चढ़ चुकी थी। सारा पैसा थाना-कचहरी में खर्च हो रहा था। दो माह बाद उनकी एक बेटी की शादी भी होना थी। बुधवार सुबह से ही नूर बानो तनाव में थीं। उन्हें चिंता सता रही थी कि पेशी पर जा रहे पति को कहीं जेल न हो जाए। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया था।

जनहित के कार्य समयसीमा में पूर्ण कराएं: राज्यमंत्री गौर

भोपाल (नगर संवाददाता)

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने बुधवार को मंत्रालय में विभिन्न विकासकार्यों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि अधूरे कार्यों के कारण आमजन को असुविधा होती है, जिसे किसी भी स्थिति में नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। गौर ने आईटीआई रहवासी परिसर, गौतम नगर बस्ती, गायत्री नगर समेत अनेक कॉलोनियों के विकास कार्यों का प्राक्कलन शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र में नियमित साफ-सफाई, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, नालियों की सफाई, विद्युत पोलों की शिफ्टिंग और अतिरिक्त ट्रांसफार्मरों की स्थापना कर स्ट्रीट लाइट व्यवस्था सुधारने पर बल दिया।

सरयू सरोवर पार्क का सौंदर्यीकरण और असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई होगी

गौर ने सरयू सरोवर पार्क की बदहाल स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कहा कि पार्क में खराब फव्वारे और झूलों की मरम्मत शीघ्र कराई जाए। पाथवे निर्माण, पार्क का समुचित रख-रखाव, हाईमास्ट लाइट की व्यवस्था एवं वाचनालय की बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए।

साथ ही अयोध्या नगर क्षेत्र में बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों का सर्वे कर उन्हें पुनः चालू करने के निर्देश भी दिए। बैठक में लव-कुश यादव, पार्षद शिरोमणि शर्मा, उर्मिला मौर्य समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

तुलसीनगर से 1100 क्वार्टर तक के सरकारी आवासों में रखरखाव के बावजूद हालात बदतर

दीवारों में करंट उतरने और जलभराव की घटनाएं हुई आम

भोपाल (नगर संवाददाता)

सरकारी आवास का मेंटेनेंस ठेकेदारों को हर साल मोटी कमाई कराने का जरिया बन गए हैं। शिवाजी नगर, तुलसी नगर से लेकर 1100 क्वार्टर और पुराने शहर से तमाम क्षेत्रों में मेंटेनेंस के नाम पर इस साल भी 60 लाख रुपए खर्च किए गए, लेकिन आवास की हालात नहीं सुधरी। दीवारों में करंट उतर रहा है तो बारिश में जलभराव की स्थिति बन रही।

स्मार्टसिटी में नए आवास तैयार नहीं कर रहे आवंटन

स्मार्टसिटी में होटल पलाश के सामने से लेकर दो अन्य जगहों पर 3500 फ्लैट बनाए हुए हैं। एक साल से ये तैयार है, कर्मचारी संगठन आवंटन की मांग भी कर रहे, लेकिन शासन स्तर से सुनवाई नहीं हो रही।

इन्हें करना हैं मेंटनेंस मजबूत

मेंटेनेंस के नाम पर कमाई का खेल बंद नहीं किया जा रहा। भोपाल सिटी के पीडब्ल्यूडी अधीक्षण यंत्री जीपी वर्मा के अंतर्गत चार डिविजन का काम है, इन्हें ही स्थिति ठीक करना है। वर्मा का कहना है कि ये रूटीन की प्रक्रिया है। डिविजन स्तर पर रखरखाव काम होता है।

भोपाल सरकारी आवास

105	बी श्रेणी
61	सी श्रेणी
255	डी श्रेणी
483	ई श्रेणी
1981	एफ श्रेणी
3649	जी श्रेणी
2159	एच श्रेणी
2509	आई श्रेणी

कुल आवास- 11 हजार 202 कुल आवास। टीटी नगर के 3146 आवास स्मार्टसिटी प्रोजेक्ट के तहत खाली कराए गए। 560 आवास गृह विभाग को सौंपे जाएंगे।

ऐसे समझे स्थिति

- 1100 क्वार्टर में 50 फीसदी मकानों में दीवार पर करंट उतरने की शिकायत है। बिजली की पुरानी वायरिंग में बदलाव की जरूरत है।
- तुलसी नगर में एफ टाइप आवासों में थोड़ी सी बारिश से जलभराव हो जाता है। अभी ये स्थिति लगातार बन रही। शिकायत पर सुनवाई नहीं हो रही।
- शिवाजी नगर में 30 फीसदी आवासों में छत का पलस्तर गिरने की शिकायत है। कई में छत का प्लास्तर गिर भी गया था। मेंटेनेंस के कई बार आवेदन दिए थे, लेकिन सुनवाई नहीं की। गनीमत रही की बड़ी दुर्घटना टल गई।

नोट- हर माह तीन से चार ऐसी घटनाएं आम है। बारिश के दिनों में दीवार में करंट, छज्जे गिरना तो बेहद आम है।

▶ विधानसभा के मानसून सत्र में पेश होगा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रथम अनुपूरक बजट

'जीरो बेस्ड बजट' का असर...विभागों ने नहीं की डिमांड पांच हजार करोड़ से कम का होगा प्रथम अनुपूरक बजट

पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश में सामान्यत: अनुपूरक बजट में 15 हजार करोड़ से अधिक की राशि का प्रावधान होता आया है

भोपाल (नगर संवाददाता)

मप्र विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू होगा। विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रथम अनुपूरक बजट (फर्स्ट सप्लीमेंट्री बजट) पेश किया जाएगा। अनुपूरक बजट संभवतः मानसून सत्र के दूसरे दिन 29 जुलाई को पेश होगा। वित्त विभाग ने प्रथम अनुपूरक बजट तैयार कर लिया है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक प्रथम अनुपूरक बजट का आकार बहुत छोटा रखा गया है। यह 5 हजार करोड़ रुपए से कम का होगा। पिछले कुछ वर्षों में संभवतः पहली बार इतने छोटे आकार का अनुपूरक बजट मप्र विधानसभा में पेश किया जा रहा है। सामान्यतः अनुपूरक बजट की राशि 15 हजार करोड़ से अधिक होती रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रथम अनुपूरक बजट 22 हजार करोड़ से अधिक और द्वितीय अनुपूरक बजट 19 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का था। वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रथम अनुपूरक बजट का आकार छोटा होने का मुख्य कारण वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 'जीरो बेस्ड बजट' तैयार किया जाना है। मप्र पहला राज्य है, जिसने जीरो बेस्ड आधार पर बजट तैयार किया था। अमूमन विभागों द्वारा विभिन्न योजनाओं और मदों में अगले बजट के लिए राशि का प्रावधान पिछले वर्षों के अनुमान के आधार पर किया जाता है। बजट में विभिन्न मदों में वास्तविक राशि का प्रावधान किया जा सके, इसलिए जीरो बेस्ड बजट तैयार किया गया था। इस प्रक्रिया में बजट अनुमान शून्य से शुरू किए गए। इसमें योजनाओं में पिछले वर्षों के व्यय संबंधी आंकड़ों को कोई महत्व न देते हुए इस आधार पर कार्य शुरू किया गया था की अगली अवधि के लिए बजट शून्य है। बजट तैयार करते समय वित्त विभाग ने सभी विभागों के साथ मिलकर वर्तमान में चल रही सभी योजनाओं/नई योजनाओं का मूल्यांकन एवं विश्लेषण बारीकी से किया था, ताकि अगले वित्त वर्ष के लिए योजनाओं में राशि का वास्तविक प्रावधान किया जा सके। यही वजह है कि प्रथम अनुपूरक बजट में अधिकतर विभागों ने राशि की डिमांड नहीं की है और अनुपूरक बजट में तुलनात्मक रूप से कम राशि का प्रावधान किया गया। बता दें कि विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू होगा, जो 8 अगस्त तक चलेगा। सत्र के दौरान कुल 10 बैठकें होंगी। मानसून सत्र में प्रथम अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। साथ ही 6 से ज्यादा महत्वपूर्ण बिलों को विधानसभा में प्रस्तुत किया जाएगा।

इसलिए अनुपूरक बजट का छोटा आकार... मुख्य बजट में सभी विभागों के लिए विभिन्न योजनाओं और मदों में जरूरत के अनुसार वास्तविक राशि का प्रावधान किया गया। इसलिए विभागों ने अनुपूरक बजट में अतिरिक्त राशि की डिमांड नहीं की।

एक्सपर्ट व्यू

इसलिए लाया जा रहा अनुपूरक बजट

वित्त विशेषज्ञ डॉ. देवेंद्र विश्वकर्मा का कहना है कि निश्चित ही जीरो बेस्ड बजट से सरकार को विभिन्न योजनाओं में बजट का सटीक अनुमान लगाने में मदद मिली होगी, लेकिन अनुपूरक बजट लाने के दो मुख्य कारण हो सकते हैं। पहला, केंद्र प्रवर्तित योजनाओं में समय-समय पर राज्य सरकार को केंद्र सरकार से राशि प्राप्त होती है, तो राज्य सरकार को अनुपूरक बजट में उस राशि का प्रावधान करना पड़ता है। दूसरा, आकस्मिकता निधि से दिए गए अग्रिम के समायोजन के लिए अनुपूरक बजट में राशि का प्रावधान किया जा रहा होगा।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के आंकड़ों पर एक नजर

मद	राशि
मप्र का बजट	4,21,0,32
राजस्व प्राप्तियां	29,0,879
मप्र का वर्षवार जीएसडीपी	16,97,923
ब्याज भुगतान	28,636
ऋण भुगतान	29,980
राजस्व घाटा/आधिक्य	617

(राशि करोड़ रुपए में)

मप्र सरकार के पिछले दो अनुपूरक बजट

- मप्र सरकार ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में गत 17 दिसंबर को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रथम अनुपूरक बजट पेश किया था। प्रथम अनुपूरक बजट 22 हजार 460 करोड़ 18 लाख 6 हजार 621 रुपए का था। इसमें राजस्व मद में 13 हजार 130 करोड़ रुपए और पूंजीगत मद में 9 हजार 329 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था।
- ऐसे ही मप्र सरकार ने विधानसभा के बजट सत्र में गत 11 मार्च को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए द्वितीय अनुपूरक बजट पेश किया था। अनुपूरक बजट में 19 हजार 206 करोड़ 79 लाख 529 रुपए का था। इसमें उद्योग, सिंचाई, बिजली और कृषि क्षेत्र के लिए बड़ी राशि का प्रावधान किया गया था।

वन विभाग के नए मुखिया की नियुक्ति आज, अंबाड़े को मिल सकती है जिम्मेदारी

मप्र में नए वन बल प्रमुख की नियुक्ति के लिए बुधवार को होने वाली बैठक टली

भोपाल (नगर संवाददाता)

मप्र वन विभाग के नए वन बल प्रमुख की नियुक्ति को लेकर गुरुवार को विभागीय पदोन्नति की बैठक होगी। बुधवार को प्रस्तावित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक स्थगित कर दी गई है। मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में गुरुवार को होने वाली बैठक में नए मुखिया का चयन हो जाएगा। वन विभाग के नए वन बल प्रमुख की जिम्मेदारी वीएन अंबाड़े को मिल सकती है।

वर्तमान में असीम श्रीवास्तव इस पद की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वे 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। ऐसे में एक अगस्त से नए मुखिया की पदस्थापना के लिए राज्य सरकार तैयारी में जुटी है। बुधवार को होने वाली बैठक इसलिए टालनी पड़ी क्योंकि डीपीसी में शामिल होने वाले राजस्थान के हेड ऑफ फॉरेस्ट की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इसके बाद केंद्र सरकार ने उनकी जगह छग के वन अधिकारी श्रीनिवासन को बैठक में शामिल होने के निर्देश दिए हैं। श्रीनिवासन गुरुवार को भोपाल पहुंचेंगे।

एक-एक महीने के लिए भी नियुक्त हुए हैं वन बल प्रमुख

वन विभाग में लंबे समय से परंपरा चली आ रही है कि सबसे सीनियर अधिकारी को ही वन बल प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। गौरतलब है कि विभाग में एक-एक महीने के लिए दो अधिकारियों को वन बल प्रमुख बनाया गया था। अभय कुमार पाटिल और साल 2017 में जब्बाद हसन को एक महीने के लिए बन बल प्रमुख बनाया गया था। वहीं असीम श्रीवास्तव को सरकार ने पहले वाइल्ड लाइफ वार्डन नियुक्त किया था। इन्हें कूनो में लगातार हो रहे रहीं चीतों की मौत के बाद जेएस चौहान को हटाकर यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी। वाइल्ड पीसीसीएफ के बाद असीम श्रीवास्तव को वन बल प्रमुख की जिम्मेदारी मिली थी।

दस हाथियों की मौत के बाद हटाए गए थे अंबाड़े

प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पिछले साल अक्टूबर में 10 हाथियों की मौत हो गई थी। हाथियों की मौत के बाद सरकार ने सख्त कार्रवाई की थी। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर को सस्पेंड कर दिया था। इसके बाद चीफ वाइल्ड लाइफ पीसीसीएफ वीएन अंबाड़े को पद से हटा दिया था। इन्हें यहां से हटाकर वन विकास निगम का एमडी बनाया गया था। वहीं बजट शाखा में पदस्थ प्रधान मुख्य वन संरक्षक शुभरंजन सेन को वाइल्ड लाइफ वार्डन बनाया गया था। वाइल्ड लाइफ पीसीसीएफ की जिम्मेदारी अभी शुभरंजन सेन ही संभाल रहे हैं।

जिला अस्पताल में स्थापित नवीन इंटीग्रेटेड लैब का सीएमएचओ ने किया निरीक्षण

भोपाल (नगर संवाददाता)

बुधवार को इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैबोरेट्री का निरीक्षण सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा द्वारा बुधवार को किया गया। ये लैब जयप्रकाश जिला चिकित्सालय में तैयार की गई है। डॉ. शर्मा ने इंटीग्रेटेड लैब संचालन में हो रही देरी पर असंतोष जताते हुए अस्पताल प्रबंधन को एक सप्ताह के भीतर लैबोरेटरी की शुरुआत करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन डॉ. राकेश श्रीवास्तव, पैथोलॉजिस्ट डॉ. नीता जैन सहित सिविल इंजीनियर एवं लेबोरेटरी निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सीएमएचओ ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि प्रथम तल पर पूर्व से संचालित हो रही लैबोरेट्री को सेकंड फ्लोर स्थित इंटीग्रेटेड लैब में शिफ्ट किया जाए। उपकरणों एवं कर्मचारियों की शिफ्टिंग के पश्चात प्रथम तल पर संचालित लैब के रिनोवेशन कार्य को एक माह में पूरा किया जाए।

सीएमएचओ ने पानी की टंकियों में देखी गंदगी तो नाराजगी जताई: उधर अस्पताल निरीक्षण के दौरान डॉ. शर्मा ने पानी की टंकियों की सफाई, छत पर पानी के जमाव, सीपेज का अवलोकन कर निर्देश दिए कि सप्ताह में एक दिन निर्धारित कर, पानी की टंकियां की सफाई एवं छतों पर जल भराव की जांच की जाए।

नवीन लैब में मरीजों को इन बीमारियों में जांच की सुविधा मिलेगी: नवीन लैब स्थापित होने से मरीजों की सभी प्रकार की पैथोलॉजी जांच सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल सकेगी। टीबी, मलेरिया, एचआईवी समेत अन्य जांचों के लिए मरीजों को अस्पताल के अलग अलग जगहों पर नहीं जाना पड़ेगा। इस प्रयोगशाला में सभी कार्यक्रमों के लैब टेक्नीशियन एक ही जगह काम करेंगे। इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैबोरेट्री लैबोरेट्री में हेमेटोलॉजी एवं बायोकेमेस्ट्री, साइटोलॉजी, क्लिनिकल पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी एक साथ संचालित होंगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि जिला अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज पैथोलॉजी जांच के लिए आते हैं।

आयोजन रबीन्द्रनाथ टैगोर विवि व रायसेन पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में नशे से दूरी है ज़रूरी अभियान पर साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन

इंसान ईश्वर का अंश है तो नशे जैसी निर्बलता क्यों: शुक्ला

भोपाल (नगर संवाददाता)

रायसेन पुलिस और रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, रायसेन की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा मिलकर नशे से दूरी, है ज़रूरी थीम पर एक सप्ताहव्यापी नशा मुक्ति अभियान संपन्न हुवा। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मिथिलेश कुमार शुक्ला, पुलिस महानिरीक्षक, नर्मदापुरम, प्रशांत खरे, पुलिस उप महानिरीक्षक, नर्मदापुरम, डॉ. योगेन्द्र पुरोहित, स्पेशलिस्ट इलेक्ट्रोपैथी, डिटॉक्स एण्ड बॉडी क्लिनजिंग थेरेपी और नशा मुक्ति थेरेपी, पंकज कुमार पांडेय, पुलिस अधीक्षक, रायसेन, डॉ. राजीव अग्रवाल, अध्यक्ष, मंडीदीप इंडस्ट्री एसोसिएशन, डॉ संगीता जौहरी, कुलसचिव आरएनटीयू और सुश्री शीला सुराना, एसडीओपी, औबेदुल्लागंज, रायसेन उपस्थित थीं। साथ ही रायसेन जिले के पुलिस विभाग से थाना प्रभारी औबेदुल्लागंज भारत प्रताप सिंह थाना प्रभारी मंडीदीप रंजीत सराठे थाना प्रभारी सतलापुर विजय त्रिपाठी थाना प्रभारी गोहरगंज महेश टांडेकर थाना प्रभारी नूरगंज तेजपाल सिंह, विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, स्कूल और विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

प्राकृतिक आहार और योग से नशा मुक्त जीवन संभव: योगेन्द्र पुरोहित

डॉ. योगेन्द्र पुरोहित ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि नशे की प्रवृत्ति हमारे मानसिक असंतुलन का परिणाम होती है। उन्होंने कहा कि हमारे शरीर की विद्युत शक्ति भोजन और जीवनशैली से प्रभावित होती है। यदि हम पालक, धनिया, अदरक, मेथी, टमाटर और अन्य हरी सब्जियों का सेवन करें, गर्म पानी में उबालकर पीएं, तो डोपामिन हार्मोन संतुलन में रहेगा और नशे की प्रवृत्ति स्वत: समाप्त हो जाएगी। योग को जीवन में अपनाकर नशे से दूर रहा जा सकता है।

आदत बदली जा सकती है लत नहीं: डॉ. राजीव अग्रवाल

डॉ. राजीव अग्रवाल ने कहा कि आदत और लत में अंतर होता है। आदत को बदला जा सकता है, लेकिन लत नियंत्रण से बाहर हो जाती है। जिस प्रकार एक बीज में तभी ताकत आती है जब वह सही मिट्टी में होता है, उसी प्रकार नशे की जड़ जब गहराई तक चली जाए तो उसे हटाना कठिन होता है। 625 करोड़ लीटर शराब की खपत भारत में होती है, जिससे दुर्घटनाएं, हिंसा, अपराध जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। डिजिटल एडिक्शन, केमिकल एडिक्शन और बिहेवियरल एडिक्शन जैसे नए प्रकार के नशे भी चिंताजनक हैं।

नशे की लत बन चुकी है राष्ट्रीय समस्या: प्रशांत खरे

प्रशांत खरे ने कहा कि नशे की लत अब एक राष्ट्रीय संकट बन चुकी है। लगभग 1.5 करोड़ विद्यार्थी किसी न किसी नशे की चपेट में हैं, जिससे अपराध, तस्करी और सामाजिक असंतुलन बढ़ रहा है। एमपी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे नशे से दूर रहें और दूसरों को भी सलाह दे की वे सब नशे से दूर रहें। पंकज कुमार पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि नशे में लिप्त व्यक्ति न केवल स्वयं को बल्कि पूरे परिवार, समाज और देश को प्रभावित करता है। ऐसे व्यक्तियों का जीवन बर्बाद हो जाता है। इसलिए हम सभी की जिम्मेदारी है कि राष्ट्र को नशा मुक्त बनाने में योगदान दें और एक स्वस्थ, समृद्ध भारत की नींव रखें।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)